- पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 10

- अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 10

- परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 11

- विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 12

आज का मौसम

18.0⁰ अधिकतम तापमान

08.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 37, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित
- 6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

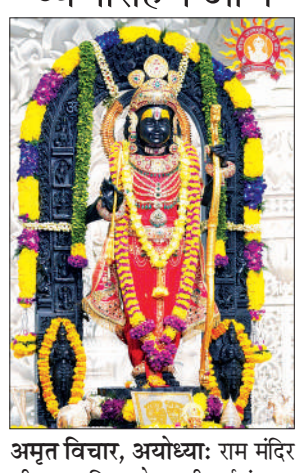

अमृत विचार, अयोध्या: राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे।

राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन
- पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी।

मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की।

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायू, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

मथुरा में विरोध के बाद सनी लियोनी का शो रद्द

मथुरा, एजेंसी

- धार्मिक नेताओं और संगठनों ने जताई थी आपत्ति

जिले में नए साल के मौके पर 31 दिसंबर को होने वाला बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी का शो रद्द कर दिया गया है। साधु-संतों और धार्मिक संगठनों ने इस कार्यक्रम पर कड़ा विरोध जताया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास ने सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द करने की मांग की थी। यह कार्यक्रम जैसे ही घोषित हुआ, वैसे ही विवादों में आ गया। कई धार्मिक नेताओं और संगठनों ने इसका विरोध किया और आपत्ति जताई। साधु-संतों का कहना था कि मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखना ज़रूरी है, इसलिए ऐसे आयोजनों से बचना चाहिए।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के मुख्य याचिकाकर्ता और धार्मिक नेता दिनेश फलहारी धर्माचार्य ने कहा कि यह विरोध मथुरा के आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए किया गया था। उन्होंने ब्रज भूमि को भगवान कृष्ण और तपस्या की पवित्र धरती बताते हुए कहा कि वहां इस तरह के कार्यक्रम नहीं होने चाहिए।

किसान की गोली मारकर हत्या

फिरोजाबाद, एजेंसी: जिले के नसीरपुर क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सिरसागंज) अन्वेष कुमार ने मंगलवार को बताया कि नसीरपुर के क्षेत्र नंदराम की मढैया निवासी 45 वर्षीय सत्यभान का अपने ही गांव में रहने वाले सूरतराम से पांच बीघा जमीन को लेकर विवाद था। लगभग छह माह पहले विवादित जमीन का निर्णय सत्यभान के पक्ष में आया था।

चार श्रम कानूनों से मिला मजबूत सुरक्षा कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

श्रमिकों के हाथ मजबूत

- प्रदेश में श्रमिक कल्याण, रोजगार व औद्योगिक विस्तार का गोल्डन-ईयर साबित हुआ बीता वर्ष
- आठ वर्षों में दोगुने से अधिक नए कारखाने रजिस्टर्ड
- रोजगार महाकुंभ में 16 हजार से अधिक को मिली नौकरी

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग और श्रमिक कल्याण के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा को नई दिशा दी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2025 इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया गया, जिन्हें श्रमिक हितों की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरकार की नीतियों और सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि प्रदेश में लगातार बड़ी संख्या में नये कारखानों की स्थापना और पंजीकरण हुआ। बीते आठ वर्षों की तुलना में 2025 तक कारखानों का पंजीकरण दोगुने से भी अधिक हो गया, जिससे रोजगार के नये अवसर सृजित हुए और औद्योगिक वातावरण मजबूत हुआ। विशेष रूप से महिला कर्मकारों के लिए वर्ष 2025 ने नए अवसरों के द्वार खोले और उन्हें अधिक सुरक्षित व सशक्त कार्यपरिस्थितियां उपलब्ध कराईं।

श्रम अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों की सुनवाई को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए श्रम विभाग ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। 26 अगस्त 2025 को श्रम न्याय सेतु, लेबर ई कोर्ट प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया था। यह पोर्टल न केवल पेपरलेस गवर्नेंस का उदाहरण बना, बल्कि इसे 19वें नेशनल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2025 में पेपरलेस गवर्नेंस चैंपियन श्रेणी में सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया।

इसके अंतर्गत घरेलू ही नहीं बल्कि विदेशी रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया गया। रोजगार संगम पोर्टल से पंजीकृत 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों को जोड़ा गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट को नई गति मिली। रोजगार महाकुंभ का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया, जहां 16,000 से अधिक युवाओं का चयन और प्लेसमेंट हुआ।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना में नवाचार

- बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरोग्य मंथन कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसंबर को कानपुर में किया गया। इस अवसर पर क्यूआर कोड इनेबिल्ड 'माइक्रोसॉफ्ट आरोग्य शक्ति अभियान का शुभारंभ, आरोग्य संकल्प पत्र का विमोचन और एएए एप की शुरुआत की गई। एप के माध्यम से अब श्रमिक घर बैठे अपॉइंटमेंट, दवाओं की डिलीवरी और सभी मेडिकल टेस्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई, हैदराबाद और फरीदाबाद के ईएसआईसी प्रीमियर संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस को उत्तर प्रदेश में लागू करने की पहल भी की गई।

श्रमिकों के लिए नई पहल

- निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड द्वारा कई नवाचार किए गए। इसके तहत, 23 दिसंबर 2025 को ऑनसाइट नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। पहले चरण में 10,000 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 18 जनपदों में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की निगरानी को 360 डिग्री लाइव मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना की गई।

- पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 10

- अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 10

- परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 11

- विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 12

आज का मौसम

18.0⁰ अधिकतम तापमान

08.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.04

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 37, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई। ● एजेंसी

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

- टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

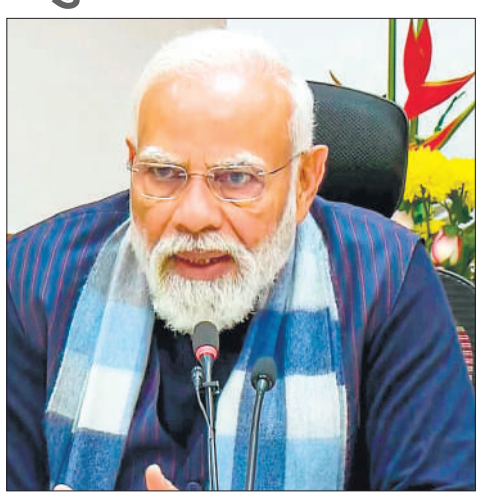

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

- मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को
- ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया शोक कहा- भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को याद रखा जाएगा
- तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं खालिदा जिया, आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है। जिया गुर्दे और हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह के साथ अन्य संक्रमणों से जूझ रहीं थीं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपने शोक संदेश में जिया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि देश ने न केवल एक महान राजनेता को खोया है।

अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अंतिम संस्कार में शामिल होंगे और भारत तथा भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डॉ. जयशंकर के बेगम जिया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

बदायूं में रिश्वत लेते पकड़ा गया लेखपाल

बदायूं। एंटी करप्शन की टीम ने लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया। लेखपाल ने वारिसान दर्ज कराने के लिए रुपयों की मांग की थी। सिविल लाइन कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराकर टीम उसे अपने साथ बरेली ले गई।

कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव गडोरा निवासी दुर्गेश कुमार ने बरेली में एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। बताया कि उनके पिता की मौत हो चुकी है। पिता की पैतृक संपत्ति में वारिसान दर्ज कराना था। उन्होंने तहसील सदर में आवेदन किया था, लेकिन राजस्व लेखपाल महेंद्र सिंह पैतृक संपत्ति के प्रपत्रों में वारिसान दर्ज करने के एवज में 10 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। रुपये न देने पर काम न करने की धमकी दी थी। ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल ने उनकी बात सुनकर मंगलवार को जाल बिछाया। दुर्गेश कुमार को 10 हजार रुपये लेकर तहसील में लेखपाल के पास भेजा। लेखपाल ने रुपये लेकर अपनी जेब में रखे वैसे ही एंटी करप्शन टीम के लेखपाल को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसे अपने साथ कोतवाली सिविल लाइन ले गए। यहां मूलरूप से मथुरा के थाना मगोर्रा क्षेत्र के गांव मगोर्रा और वर्तमान में आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के दीक्षा केसीआर टाउन निवासी राजस्व लेखपाल महेंद्र सिंह पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

आरोपी महेंद्र सिंह

- वारिसान दर्ज कराने के लिए मांगे थे 10 हजार रुपये
- पीड़ित ने बरेली में एंटी करप्शन से की थी शिकायत

'बैटल ऑफ गलवान' से चिढ़ा चीन

नई दिल्ली। सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर जारी होने के बाद चीनी ने नाराजगी जताई है। वहां की मीडिया में हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि सिनेमा कलात्मक अभिव्यक्ति का एक माध्यम है और भारत इसे प्रतिबंधित नहीं करता है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है।

चीन के मीडिया संस्थान ग्लोबल टाइम्स ने इस फिल्म को सिनेमाई अतिशयोक्ति बताया और दावा किया कि इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान ने बी संतोष बाबू की भूमिका निभाई है। साल 2020 में भारतीय क्षेत्र की रक्षा करते हुए बाबू और 16 बिहार रेजिमेंट के 19 अन्य सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

- चीनी मीडिया ने की आलोचना, कहा- ट्रेलर हकीकत से दूर, भारत सरकार के सूत्रों ने किया बचाव

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

रिपोर्ट | एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक 75 जिलों से 207486 कॉल पहुंची, आगरा पहले नंबर पर, लखनऊ-बरेली और मुरादाबाद भी टॉप 10 में

बढ़े मानसिक रोगी, दो लाख लोगों ने लिया हेल्पलाइन का सहारा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पश्चिमी उप्र में मानसिक तनाव के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बरेली, फिरोजाबाद के बाद मुरादाबाद से भी बड़ी संख्या में लोगों ने मानसिक समस्याओं से राहत पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टेलीमानस हेल्पलाइन पर संपर्क किया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक प्रदेश के 75 जिलों से कुल 2,07,486 कॉल्स प्राप्त हुईं।

प्रदेश में सबसे अधिक 8,863 कॉल आगरा जिले से दर्ज की गईं, जबकि लखनऊ, वाराणसी, बरेली और फिरोजाबाद भी टॉप 10 जिलों में शामिल रहे। मुरादाबाद जिला अस्पताल में तैनात मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव शेखर ने बताया कि प्रदेश में गोरखपुर, बरेली, आगरा और वाराणसी में टेलीमानस सेंटर स्थापित किए गए हैं। ये सेंटर सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे सक्रिय रहते हैं। टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 और 18008914416 पर कॉल करने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया जाता है। प्रदेश के किसी भी जिले से की गई कॉल सीधे इन सेंटरों तक पहुंचती है।

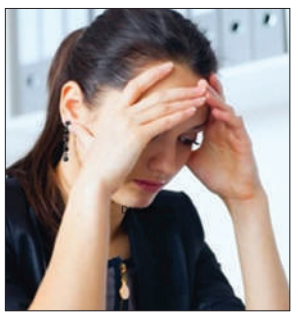

ये हैं टॉप-10 जिले (कॉल संख्या)

आगरा (8863), लखनऊ (5488), वाराणसी (4662), बरेली (4226), फिरोजाबाद (2901), मुरादाबाद (2817), झांसी (2783), प्रयागराज (2773), बुलंदशहर (2726), रामपुर (2406)।

सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने की

आंकड़ों के अनुसार, मानसिक तनाव को लेकर सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने कीं। कुल कॉल्स में 55 प्रतिशत पुरुष, 43 प्रतिशत महिलाएं रहीं, जबकि 10.1 प्रतिशत ट्रांसजेंडरों ने भी मानसिक तनाव से जूझने की बात साझा की। करीब दो प्रतिशत लोगों ने कॉल तो की, लेकिन कोई पीड़ा साझा नहीं की, 10.2 प्रतिशत लोगों ने केवल टेलीमानस सेवा की जानकारी के लिए संपर्क किया। कॉल्स के प्रकार में 76 प्रतिशत नियमित परामर्श, 20 प्रतिशत सूचनात्मक, चार प्रतिशत बिना स्पष्ट कारण के और 0.2 प्रतिशत गंभीर प्रकरणों से संबंधित पाई गईं। मानसिक तनाव के प्रमुख कारणों में बेरोजगारी, घरेलू विवाद और काम का बढ़ता दबाव सामने आया है। कॉल करने वालों ने निराशा, उदासी, नींद न आने, आक्रामक व्यवहार और अकेलापन महसूस होने जैसी समस्याएं बताईं।

परिजनों, दोस्तों के साथ समय बिताने की सलाह

काउंसलरों द्वारा उन्हें परिजनों और दोस्तों के साथ समय बिताने, अपनी बात साझा करने और सकारात्मक सोच अपनाने के सुझाव दिए गए। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि तनाव से बचाव के लिए सकारात्मक सोच और संवाद बेहद जरूरी है। मुरादाबाद में टेलीमानस की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। लोग हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं या जिला अस्पताल के मनकक्ष में पहुंचकर उपचार ले सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

परौर, अमृत विचार : कटरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक वीर विक्रम सिंह प्रिंस ने ककोडा, परौर, बम्हौरा और हैदलपुर गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं मौके पर सुनीं। ककोडा स्कूल में कंबल वितरण कर उन्होंने ठंड से जूझ रहे जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई। दौरे के दौरान पुष्पेंद्र गुप्ता के आवास पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक राम प्रसाद, सुखबीर सिंह आदि रहे।

ई-रिक्शा से बैटरी चोरी थाने में दी तहरीर

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव सौफरी निवासी उमाशंकर ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात को घर के पास में ही ई रिक्शा खड़ा था। तभी रात किसी समय चोरों ने ई रिक्शा की बैटरी चोरी कर ली। मंगलवार सुबह चोरी की जानकारी हो पाई। उन्होंने बताया कि बैटरी चोरी होने से हजारों रुपये का नुकसान हो गया है। उमाशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

पंप खराब से बस अड्डे पर लगा जाम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : परिवहन निगम की पुवायां रोड पर स्थित कार्यशाला में पेट्रोल पंप खराब हो जाने से रोडवेज बसों की सड़क पर जाम की स्थिति बन गयी। बसों को डीजल देने के लिए कार्यशाला में पंप बना हुआ है। स्टाफ के अभाव में सोमवार की शाम को कार्यशाला का पंप बंद कर दिया गया था। रोडवेज बस अड्डे परिसर में लगा पंप चालू कर दिया गया था। बसों में डीजल देने के लिए रात आठ बजे सड़क पर जाम की स्थिति हो गयी। इससे लोगों को दिक्कत हुई।

पांच के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी अवधेश कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसने अपनी बेटी ऊषा गुप्ता की शादी 20 अप्रैल 25 को सुलभ गुप्ता निवासी मिर्जापुर के साथ की थी। शादी के कुछ माह बाद ससुराल वालों ने उसकी बेटी से कहा मायके से दस लाख रुपये मंगाकर दो। विरोध करने पर ससुराल पक्ष के लोग मारपीट करते थे। उसे घर से निकाल दिया। शिकायत पर पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तनाव से मुक्त रहकर कैसे करें कार्य विषय पर हुई गोष्ठी

अटल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने अधिकारियों व कर्मचारियों को वितरित की पुस्तकें

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कार्यक्रम में हिस्सा लेते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में तनाव से मुक्त रहकर कार्य कैसे करें विषय पर विचार-विमर्श गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, लेखपाल एवं पंचायत सचिवों सहित लगभग 600 अधिकारियों और कर्मचारियों को जिलाधिकारी द्वारा करीब 100 प्रकार की प्रेरणादायी पुस्तकें भेंट की गईं।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य यह है कि घर-परिवार और कार्य के बीच संतुलन बनाकर खुश रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किया जाए। उन्होंने मोटिवेशनल क्लासेज के माध्यम से अपने जीवन से जुड़ी संघर्ष भरी कहानियां साझा करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत से कार्य करना जरूरी है, लेकिन स्वयं को जोखिम में नहीं डालना चाहिए। छोटे-छोटे कार्यों से ही पहचान बनती है। जिलाधिकारी ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार तनाव से मुक्त रहकर कार्य किया जा सकता है और साथ ही घर-परिवार तथा बच्चों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जीवन कठिन होता जा रहा है, ऐसे में लोगों को तनाव को समझने और उससे निपटने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि किताबें खरीदने से अधिक जरूरी है उन्हें पढ़ना। कार्य के साथ-साथ स्वयं को

● **संघर्ष भरी कहानियों से अधिकारियों को किया प्रेरित**

स्वस्थ रखना भी जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाते हुए आमजन की मदद करने का आह्वान किया, ताकि लोग उन्हें हमेशा याद रखें। उन्होंने कहा कि लोगों से भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखें और दिमाग की नियमित एक्सरसाइज करते रहें, जिससे मानसिक सक्रियता बनी रहे। जिलाधिकारी ने यह भी घोषणा की कि जनवरी, फरवरी और मार्च के कार्य के आधार पर प्रत्येक तहसील से तीन-तीन लेखपाल और सचिवों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक प्रयोग अपने कार्यों में करने पर जोर दिया गया।

डीएम ने अधिकारियों को दी बधाई

अंत में जिलाधिकारी ने सभी के समन्वय से बेहतर कार्य कर जिला की अच्छी रैंकिंग के लिए सभी को बधाई दी और इसी प्रकार आगे भी कार्य करते रहने का आह्वान किया। गोष्ठी के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ अपराजिता सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए अधिकारियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपर अधिकारी न्यायिक राशिद अली, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह सहित उप जिलाधिकारी, लेखपाल और पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

पंचायत घर में कंप्यूटर कक्ष से सामान चोरी

खुटार, अमृत विचार: गांव रुजहा कलां में पंचायत घर में कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर हजारों का सामान और कीमती दस्तावेज चोरी हो गए। मंगलवार सुबह सफाईकर्मी के पहुंचने पर चोरी की जानकारी हो पाई। प्रधान ने पुलिस को सूचना दी है। गांव रुजहा कलां निवासी प्रधान मदन पाल ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से बाहर गए थे। सोमवार रात किसी समय चोरों ने पंचायत घर में कंप्यूटर कक्ष का किसी धारदार चीज से ताला काट दिया। बाद में अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कक्ष से कंप्यूटर, सीपीयू, यूपीएस, कैमरा और बोर्ड उखाड़ ले गए। साथ ही कक्ष में रखी जरूरी फाइलें उठा ली। मंगलवार सुबह पंचायत घर में सफाईकर्मी राजू, कोटेदार कृष्ण कुमार, पंचायत सहायक संदीप वर्मा पहुंचे तो कंप्यूटर कक्ष का ताला टूटा मिला। इसके बाद उन्हें चोरी की वारदात का पता चला।

आर्य समाज के वार्षिक अधिवेशन में जितेंद्र चुने गए प्रधान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : आर्य समाज, टाउन हाल रोड का वृहद-वार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन वर्ष 2026 के लिये आर्य समाज सत्संग भवन/यज्ञशाला में नामित निर्वाचन अधिकारी सत्यव्रत आर्य की उपस्थिति एवं पर्यवेक्षण में संजय कुमार आर्य की अध्यक्षता में निर्वाचन हुआ।

आर्य समाज के मंत्री संजय कुमार आर्य ने बताया कि इस निर्वाचन में जितेन्द्र नाथ आर्य-प्रधान, भुवनेश कुमार आर्य-वरिष्ठ उप प्रधान, संजय कुमार आर्य-मंत्री, नरेन्द्र कुमार मिड्ढा-कोषाध्यक्ष, शिशुभान सिंह उप मंत्री, सन्तराम आर्य-पुस्तकाध्यक्ष, आलोक गुप्ता आय व्यय लेखा निरीक्षक निर्वाचित घोषित हुए। सुशील कुमार गुप्ता, सुशील विश्नोई, गिरीश चन्द्र आर्य, आनन्द आर्य, देवेन्द्र मिड्ढा, विमलेश सिंह, चन्द्रजीत सिंह, विनोद कुमा, राम प्रकाश आदि सदस्य चुने गए। आर्य प्रतिनिधि सभा उप्र लखनऊ के लिए संजय कुमार आर्य व भुवनेश कुमार आर्य आदि प्रतिनिधि बनाए गए।

मादा तेंदुआ ने शावकों को दिया जन्म, किसानों ने गन्ना छिलाई की बंद

● **प्रतापपुर गांव के बालकराम के खेत में बनाया ठिकाना**
● **दहशत में ग्रामीणों ने खेतों पर जाना किया बंद, फसलें चौपट**

संवाददाता, खुटार

ड्रोन कैमरे से गन्ने में तेंदुआ को देखते वनकर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गांव प्रतापपुर में रहने वाले बालक राम के गन्ने के खेत में मादा तेंदुआ ने शावकों को जन्मा है और उसी में अपना ठिकाना बना लिया है। इसी बात को लेकर ग्रामीण और वन विभाग आशंका जता रहे है।जिससे गन्ने की छिलाई को किसान बालक राम ने बंद करा दिया है। भय है कि तेंदुआ किसी भी समय हमला कर सकता है। जबकि आसपास इलाके के लोग डरे सहमे हुए हैं। इसके अलावा मंगलवार को वन विभाग की टीम ने ड्रोन कैमरे से गन्ने में तेंदुआ देखने की तमाम प्रयास किए।

मगर कोशिशों के बाद सफलता हासिल नहीं हो पाई। हालांकि, टीम लगातार लोगों को सचेत कर रही है। खुटार के गांव प्रतापपुर निवासी बालक राम के खेत में गन्ना छिलाई का कार्य चल रहा था। 27 दिसंबर को कई श्रमिक खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे थे। तभी तेंदुआ दहाड़ पड़ा था।श्रमिकों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई थी। शोर मचने पर प्रतापपुर व बढ़ईपुर से तमाम लोग पहुंच गए थे। उधर, गांव प्रतापपुर में बालक राम के ही खेत में 23 दिसंबर को गन्ने के खेत से तेंदुआ निकला था और गन्ने की छिलाई कर रहे गांव के अरुण शर्मा, मोहित सिंह पर दौड़ पड़ा था। लेकिन किसी तरह भागकर जान बचाई थी। सूचना पर दोनों बार वन विभाग की टीम पहुंची और जांच की थी। टीम के कांबिंग करने के बाद 28 दिसंबर को बालक राम के खेत में पिंजरा लगाया था। इसके बावजूद तेंदुआ पिंजरे में कैद नहीं हो सका। मंगलवार को वन विभाग की टीम ने गन्ने में तेंदुआ छिपा है। यह जानने के लिए ड्रोन कैमरे का सहारा लेकर प्रयास किया। इसके बावजूद कोई लोकेशन ट्रेस नहीं हो पाई। जबकि ग्रामीण गन्ने के खेत में तेंदुआ छिपा है। ऐसा कह रहे है। इस दौरान तमाम ग्रामीण और वनकर्मियों ने तेंदुआ की खोज के बाद निराशा हाथ लगी। तेंदुआ से लोग दहशत में है।

अभियान चलाकर तेंदुए को तलाशेगी टीम

कई दिनों से प्रतापपुर निवासी बालक राम के गन्ने के खेत में तेंदुआ छिपा है। जो वन विभाग के लिए मुसीबत बन गया है। इधर, ग्रामीण भी परेशान है। माना जा रहा है कि बुधवार को वन विभाग की टीम रेस्क्यू अभियान चलाकर गन्ने के अंदर छानबीन करेगी। जिससे आशंका की चादर हट सके।

तीन दिन बाद भी पिंजरे में कैद नहीं हुआ तेंदुआ

गांव प्रतापपुर में बालक राम के खेत में वन विभाग की ओर से तेंदुआ को पकड़ने के लिए पिंजरा रखवाया गया था। करीब तीन दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद तेंदुआ को कैद करने की तो दूर उसकी लोकेशन ट्रेस तक नहीं हो पाई है। यह तेंदुआ अब वनकर्मियों के लिए सिरदर्द बन गया है।

कढ़ैया गांव में बाघ ने गाय को बनाया निवाला

खुटार , अमृत विचार : गांव कढ़ैया में गेंहू के खेत में मंगलवार सुबह तड़के बाघ ने गाय को निवाला बना लिया। किसान के खेत पर पहुंचने पर घटना की जानकारी हो पाई। सूचना पर वन विभाग की टीम ने पहुंचकर जांच की। पगचिन्ह से बाघ की पुष्टि की गई है। गाय के अवशेष को वनकर्मियों ने गड्ढा खोदकर जमीन में दफन कर दिया है। वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। खुटार क्षेत्र के गांव कढ़ैया निवासी अनिल कुमार का खेत गांव से कुछ ही दूर पर है। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे वह खेत पर गए थे। जहां गेहूं के खेत में निराश्रित गोवंश का अधखाया हुआ शव पड़ा था। यह देख होश उड़ गए। बाद में तमाम गांव के लोग एकत्र होकर लाठी-डंडा लेकर मौके पर पहुंचे। जहां खेत में पगचिन्ह मिले। सूचना पर वन दरोगा रोहित पांडेय टीम के साथ पहुंचे और जांच की। वन दरोगा ने बताया कि गाय की मौत बाघ के हमले से ही हुई है। गाय का पोस्टमार्टम कराने के बाद गाय को जमीन में दफन करा दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बाघ व तेंदुआ होने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों ने खेतों की ओर आना जाना छोड़ दिया है। इससे खेतों का काम प्रभावित हो रहा है। उधर, वन विभाग की टीम ने सतर्कता बरतने की अपील के साथ ही सुझाव दिए हैं। इधर, 28 दिसंबर को भी खुटार क्षेत्र के गांव रुजहा खुर्द में बाद ने गाय का शिकार कर लिया था।

● **वन विभाग की टीम ने बाघ की पुष्टि, पोस्टमार्टम के बाद मृत गाय का शव दफनाया गया**

गोशालाओं की शिकायत पर डीसी मनरेगा ने की जांच

कलान, अमृत विचार: सथरा धर्मपुर और बिचौला गांवों में स्थित गौशालाओं में अनियमितताओं की शिकायत पर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच की। समाजसेविका तारा यादव ने तहसील समाधान दिवस में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह को शिकायती पत्र देकर गोशालाओं में अनियमितताओं का आरोप लगाया था।

शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर डीसी मनरेगा यसोवर्धन सिंह दोनों गोशालाओं में पहुंचे और बारीकी से जांच की। इस दौरान शिकायतकर्ता तारा यादव को भी गोशालाओं में बुलाकर उनके बयान दर्ज किए गए। निरीक्षण के समय सथरा धर्मपुर गौशाला में क्षमता से अधिक गायों की मौजूदगी पाई गई, जबकि साफ-सफाई की स्थिति भी देखी गई।

मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष से प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष पंकज चौधरी से लखनऊ में भेंटवार्ता की। प्रतिनिधिमंडल ने नवीन दायित्व की बधाई देते हुए फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष अंकुर त्रिपाठी विमुक्त ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मंजीत सिंह पटेल के नेतृत्व में गत 7 नवंबर एवं 11 नवंबर को भेंट की थी, जिसमें संगठन ने पुरानी पेंशन बहाली एवं 8 वें वेतन आयोग को लेकर चर्चा की थी।

उसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पंकज चौधरी से आग्रह किया कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संगठन वित्त मंत्रालय के साथ आपके मार्गदर्शन में बैठक करते हुए पेंशन बहाली पर विस्तृत रिजॉल्यूशन के साथ वार्ता करने की अपेक्षा करता है। जिस पर वित्त राज्यमंत्री ने दिल्ली पहुंचकर विस्तृत वार्ता करने हेतु पुनः आश्वस्त किया। जल्द ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मंजीत सिंह पटेल के नेतृत्व में पेंशन बहाली विषय पर वित्त मंत्रालय के साथ निर्णायक बैठक करेगा। वार्ता के दौरान प्रदेश संयोजक-संयोजन प्रदीप सिंह सरल के नेतृत्व में किया गया।

प्रशिक्षुओं ने सीखे साधना के गुर

पुलिस लाइन में महिला पुलिस प्रशिक्षुओं को हार्टफुलनेस मेडीटेशन के बारे में जानकारी देते प्रशिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : रामचन्द्र मिशन आश्रम की ओर से जनपद में चलाये जा रहे हार्टफुलनेस एकात्म अभियान के तहत पुलिस लाइन में महिला पुलिस प्रशिक्षुओं को हार्टफुलनेस मेडीटेशन के बारे में बताया गया और ध्यान भी कराया गया। इस मौके पर रामचंद्र मिशन के प्रशिक्षक दीपक खंडूरी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने आधुनिक जीवन की चुनौतियों के प्रबंधन के लिए ध्यान को एक प्रभावी उपकरण के रूप में मान्यता दी है। भारत में ध्यान के लाभों को सदियों से समझा जाता रहा है। यह अष्टांग योग दर्शन का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी अपने दैनिक कर्तव्यों में नियमित रूप से काम के अनियमित घंटे, कठिन परिस्थितियों का प्रबंधन और चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करने के कारण अत्यधिक तनावपूर्ण स्थितियों का सामना करते हैं। जिस कारण, अधिकारियों और कर्मचारियों के मानसिक शांति ,उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने और तनाव प्रबंधन के लिए ध्यान सबसे सशक्त माध्यम है । मध्य प्रदेश पुलिस ने अपने कामकाज में हार्टफुलनेस मेडिटेशन को अपनाया है। वहां पुलिस थानों और प्रशिक्षण संस्थानों में नियमित सत्र आयोजित किए जाते हैं। सत्र के दौरान विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षुओं ने ध्यान अभ्यास को गहराई से सीखा। इस दौरान आरआई संतोष सिंह सिंह व अन्य पुलिस कर्मी रहे।

आधी रात में सीएचसी पर पहुंचे डीएम

संवाददाता, पुवायां

सीएचसी का निरीक्षण करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह सोमवार रात को अचानक सीएचसी पर पहुंच गए। डीएम को अचानक देखकर अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल में ठंड से बचने के इंतजाम देखे और रोगियों से वार्ता की।

उन्होंने निर्देश दिए ठंड में रोगियों और तीमारदारों को किसी तरह की परेशानी न हो। ठंड में अस्पताल में अलाव की व्यवस्था नियमित करवाने के निर्देश सीएचसी प्रभारी को दिए। इसके बाद वार्डों में भर्ती रोगियों से उनका हाल जाना और दवाइयों व कर्मचारियों की कार्यशैली की जानकारी ली। मरीजों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। महिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने प्रसव की संख्या अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रसव सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार किया जाए तथा क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में प्रसव के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और चिकित्सा स्टाफ को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार तथा नायब तहसीलदार पंकज कुमार भी मौजूद रहे। इसके अलावा उन्होंने राजीव चौक पर भी अलाव के इंतजाम देखे।

● **सीएचसी प्रभारी को दिए निर्देश, अलाव जलवाने को कहा**

क्राउन क्लब ने बहादुर टाइटन को हराया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मयूर स्पोर्टिंग की ओर से जीएफ कॉलेज मैदान पर चल रहे शाहजहांपुर क्रिकेट क्लब लीग टूर्नामेंट में आज क्राउन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 194 रन चार विकेट खोकर बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बहादुर टाइटन की टीम 20 ओवर में 9 विकेट होकर 142 रन ही बना सकी और 52 रन से मैच हार गई। मैन ऑफ द मैच क्राउन क्लब के आहद को घोषित किया गया।

शॉट लगाता बल्लेबाज। ● अमृत विचार

भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने की ली प्रतिज्ञा

शपथ दिलाते समन्वयक विनय कुमार शर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महिला कल्याण विभाग की टीम ने बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत एसएसवी कोचिंग सेंटर, जिला चिकित्सालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्पलाइन से परियोजना समन्वयक विनय कुमार शर्मा ने सभी को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के प्रतिज्ञा की। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर शिवम पांडेय, संस्थान के अध्यापक एवं विद्यार्थी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप

जलालाबाद, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम याकूबपुर में राज्य सरकार की जमीन पर दबंग द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कराए जाने का आरोप लगाते हुए महिला ने एसडीएम से शिकायत की है। गांव निवासी शांति देवीने एसडीएम प्रभात कुमार राय को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव में सरकारी भूमि है। भूमि पूर्व में आरजी उनके नाम दर्ज थी, जो पति की विरासत के बाद उन्हें प्राप्त हुई। इस भूमि को लेकर बरेली कमिश्नरी कोर्ट में मामला विचाराधीन है, जहां यथास्थिति का स्टे का आदेश भी हो चुका है। इसके बावजूद मोहल्ला बाबू नगर निवासी छोटे लाल दबंगई के बल पर दुकान और मकान का निर्माण करवा रहा है।

अभिनेत्री के मंदिर दर्शन पर भड़के मौलाना

बरेली, अमृत विचार : बालीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। वीडियो सामने आने के बाद मंगलवार को आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने महाकाल मंदिर उज्जैन में जो धार्मिक परंपराएं निभाईं, जल चढ़ाया, ये तमाम चीजें इस्लाम के खिलाफ हैं।

प्रेमी के घर के पास किशोरी ने फंदे पर लटक कर दी जान

किशोरी का तय हो गया रिश्ता, परिवार का आरोप प्रेमी के उकसाने पर की खुदकुशी, पिता की तहरीर पर प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी किशोरी का प्रेम प्रसंग गांव के ही युवक से चल रहा था। इसी बीच किशोरी के परिजनों ने उसकी शादी तय कर दी। इससे आहत होकर किशोरी ने प्रेमी के घर के पास पड़े उसके टीन शेड में लगी बल्ली से दुपट्टा का फंदा बनाकर झूल गई। किशोरी के परिजनों ने जब प्रेमी के दरवाजे पर शव लटका देखा तो पुलिस को सूचित किया।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव कैलहा निवासिनी अंशिका (17) का गांव निवासी विजय कुमार से प्रेम प्रसंग था। जानकारी होने होने पर किशोरी के परिजनों ने उसका रिश्ता तय कर दिया। हालांकि किशोरी ने इसका विरोध भी किया, लेकिन परिजन नहीं माने। तब किशोरी ने अपने प्रेमी विजय को बताया कि उसका रिश्ता तय हो गया है। लेकिन वह प्रेमी से छिपकर मिलती रही। मंगलवार सुबह 10 बजे किशोरी ने परिवार वालों को बताया कि वह अभी लौटकर आ रही है। वह प्रेमी विजय कुमार के घर के निकट टीन शेड में गयी। उसने मौका पाकर टीन शेड की बल्ली में दुपट्टा का फंदा बनाकर झूल गई। बेटी का शव लटका देख पिता गिरेंद्र वर्मा और परिजनों की चीख निकल गई। अंशिका की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

घर न आने पर परिजनों ने शुरू की तलाश

दोपहर 12 बजे तक जब किशोरी घर नहीं पहुंची तब परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। परिजन तलाश करते हुए विजय के घर की ओर जा रहे थे। तभी उनकी नजर विजय के टीन शेड की ओर गई। वहां परिजनों ने अंशिका का शव फंदे से लटका देखा। इस दौरान गांव के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। वहीं विजयकुमार भी घर पर नहीं था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम गांव में पहुंची और जांच करने के बाद नमूना लिया।

प्रेमी पर उकसाने का लगाया आरोप

मृतका के पिता गिरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री को फांसी लगाने के लिए प्रेमी विजय कुमार ने उकसाया था। आरोप है कि उकसाने से उसकी पुत्री ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली हैं। बताया कि यदि प्रेमी नहीं उकसाता तो उनकी बेटी आत्महत्या नहीं करती। पिता की तहरीर पर पुलिस ने विजय कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर आरोपी विजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चौपाल पर युवक ने फंदा लगाकर दी जान

जैतीपुर, अमृत विचार : चौपाल पर एक युवक ने रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली। परिवार वालों ने सुबह उसका शव फंदे पर लटका देखा, तो हड़कंप मच गया। मृतक परचूनी की दुकान करता था। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है। जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर निवासी अमित पाल (30) पुत्र सुरेशपाल कस्बे में बैंक आफ बड़ौदा के निकट परचूनी की दुकान करता था। सोमवार की शाम वह दुकान बंद करके घर पर आ गया। रात आठ बजे खाना खाया और चौपाल पर एक कमरे में सोने चला गया। रात में किसी समय अमित फंदा बनाकर झूल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मंगलवार की सुबह छह बजे सुरेश पाल चौपाल पर गए तो बेटे का शव फंदे पर लटका देखकर उनकी चीख निकल गई। परिजनों ने जैतीपुर पुलिस को सूचना दी। एसआई रोहितास कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को उतरवाया। परिजनों ने किसी तरह का विवाद होने या कोई अन्य बात होने से इनकार किया है। अमित घर में सबसे छोटा था। पुलिस ने जांच के लिए अमित का फोन कब्जे में ले लिया है। कार्यवाहक थाना प्रभारी इतेश तोमर ने बताया कि युवक का शव चौपाल पर फंदे से लटका हुआ मिला था। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता कलान

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव कठिमरा निवासी युवक ने गांव से बाहर पेड़ पर फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि युवक खेत खरीद रहा था, लेकिन खेत मालिक ने बताए गए रकबे से कम का बैनामा करा दिया, जिससे परेशान होकर उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली। परिजनों की ओर से पुलिस को अभी किसी के खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है।

मृतक गुड्डू यादव।

कलान थाना क्षेत्र के गांव कठिमरा निवासी गुड्डू यादव (19) मंगलवार की सुबह आठ बजे घर से घूमने की बात कहकर निकला था। दोपहर को जब गुड्डू का भाई सतीश यादव खेत पर गया तो उसने गुड्डू का शव पेड़ पर फंद से लटका हुआ देखा। भाई के शव को देखकर उसकी चीख निकल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

● मृतक के पिता ने विक्रेता पर लगाया खेत कम लिखाने का आरोप

गुड्डू के पिता शिवचरन ने पुलिस को बताया कि नगर पंचायत कलान में एक व्यक्ति से 10 बीघा खेत की दो साल से बात चल रही थी। जबकि सोमवार को खेत मालिक ने सवा सात बीघा ही खेत का बैनामा कराया था। इसी को लेकर उसके बेटा अवसाद में चला गया और ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक गुड्डू की शादी नहीं हुई थी गुड्डू की मौत से भाई पिता शिवचरन, मां रामक्रांति, भाई सतीश, पुष्पेंद्र और बहन भंता देवी का रो रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई और जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप, बसपा ने दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● शिष्टमंडल ने एसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच की मांग की

● जमीन विवाद में पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप

अमृत विचार : शहर में बसपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए बसपा के एक शिष्टमंडल ने पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बसपा जिलाध्यक्ष उदयवीर सिंह ने बताया कि थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी गाड़ीपुरा निवासी राजू का अपने चचेरे भाइयों से लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। आरोप है कि दूसरे पक्ष ने निकास बंद कर दिया और हिस्से की जमीन से अधिक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। इस संबंध में पीड़ित पक्ष ने पहले नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया था और थाने में भी पूरे मामले की जानकारी दी थी। आरोप लगाया गया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक ने जबरन समझौता करा दिया। इसके बाद पुलिस की शह पर दूसरे पक्ष ने लिंटर तक डलवा लिया। 27 दिसंबर को जब राजू अपने हिस्से का कार्य करा रहे थे, उसी दौरान दूसरे पक्ष ने हंगामा किया और पुलिस को बुला लिया। आरोप है कि इस कार्रवाई में राजू की बहन का चालान तक कर दिया गया, जिससे परिवार और बसपा कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त हो गया। बसपा नेताओं ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे ज्ञापन में कहा कि पूरे प्रकरण में एकतरफा कार्रवाई की गई है और पीड़ित पक्ष की बात नहीं सुनी गई। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मंडल को-ऑर्डिनेटर राजेश्वर सिंह, रामकुमार मौर्या, महानगर अध्यक्ष राशिद कुरैशी, अमित वाल्मीकि, मनोज सिंह, पार्षद दीपू पंजाबी व तमाम बसपा कार्यकर्ता रहे।

ठंड का असर बढ़ा, एक सप्ताह तक राहत नहीं

कड़ाके की ठंड के बीच जाता बुजुर्ग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● तापमान गिरने से जनजीवन, खेती और आवागमन प्रभावित, अलाव भी हुए नाकाफी

अमृत विचार: नए वर्ष की शुरुआत के साथ ही जिले में कड़ाके की ठंड और ज्यादा असर दिखा सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान सामान्य से कम और न्यूनतम तापमान सात से नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे ठंड का प्रकोप और बढ़ेगा।

लगातार बढ़ती ठंड का सीधा असर आम नागरिकों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। सुबह के समय लोग घरों से निकलने में संकोच कर रहे हैं। बाजारों में देर से चहल-पहल शुरू हो रही है, जबकि शाम ढलते ही सड़कों पर आवाजाही कम हो जा रही है। ठंड के कारण बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोग अलाव, हीटर और गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सर्दी, खांसी, बुखार और सांस से जुड़ी समस्याओं में इजाफा हो सकता है, ऐसे में सावधानी बेहद जरूरी है। कृषि क्षेत्र पर नजर डालें तो ठंड का असर मिला-जुला रहने की संभावना है। रबी फसलों, खासकर गेहूं, सरसों और चने के लिए यह ठंड फिलहाल लाभकारी मानी जा रही है। ठंड के कारण फसलों की बढ़वार अच्छी होती है और नमी बनी रहती है। हालांकि किसानों को पाले की आशंका सताने लगी है। यदि तापमान और गिरा या देर रात पाला पड़ा तो फसलों को नुकसान भी हो सकता है। कृषि विशेषज्ञ किसानों को सलाह दे रहे हैं कि वे खेतों में हल्की सिंचाई करें और पाले से बचाव के उपाय अपनाएं। घने कोहरे का असर आवागमन पर भी साफ दिखाई देगा। सुबह के समय सड़कों पर दृश्यता कम रहने से वाहन चालकों को परेशानी होगी। खासकर हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है। रेलवे यातायात पर भी कोहरे का प्रभाव पड़ सकता है, जिससे ट्रेनों के विलंब से चलने की संभावना बनी रहेगी। बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में भी देरी हो सकती है। प्रशासन की ओर से वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। कुल मिलाकर आने वाला सप्ताह शाहजहांपुर के लिए कड़ाके की ठंड लेकर आएगा।

कब कितना रहेगा तापमान

तारीख	अधिकतम तापमान (C)	न्यूनतम तापमान (C)
31 दिसम्बर, 2025	20C	8C
1 जनवरी, 2026	22C	9C
2 जनवरी, 2026	22C	9C
3 जनवरी, 2026	21C	8C
4 जनवरी, 2026	21C	8C
5 जनवरी, 2026	23C	8C
6 जनवरी, 2026	24C	7C

पत्नी ने नहीं बनाया मीट, युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

संवाददाता जलालाबाद

● मीट बनाने को लेकर दोनों के बीच हुआ था झगड़ा

● आए दिन पति-पत्नी के बीच होता रहता था विवाद

अमृत विचार: तिकोला तालुके गांव में एक युवक का पत्नी से विवाद हो गया। युवक ने गांव के बाहर जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालों ने उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पत्नी ने मीट बनाने से मना कर दिया था, जिस कारण नाराज हो गया था।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव तिकोला तालुके निवासी 32 वर्षीय वीरपाल मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। उसका पत्नी से आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। रविवार की सुबह वह खेत पर पानी लगाने के लिए जा रहा था। उसका पत्नी से कपड़े मांगने को लेकर विवाद हो गया था। वह खेत पर चला गया था। रविवार की दोपहर एक बजे मीट लेकर घर पर आया। उसने पत्नी से मीट बनाने के लिए कहा तो बनाने से मना कर दिया। वह नाराज होकर गांव के बाहर चला गया। उसने गांव के बाहर जहरीला पदार्थ खा लिया और गांव वालों ने उसे तड़पता देखा। गांव वालों ने उसके परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले मौके पर पहुंचे और वीरपाल को नगरिया अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतका की मां के अनुसार उसका बेटा मीट लेकर आया था और पत्नी ने बनाने से मना कर दिया था। इस बात से नाराज होकर उसके बेटे ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक के दो बच्चे है। अपराध निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि मृतका के मायके वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। उन्होंने बताया कि युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रैन बसेरों व अलाव का किया निरीक्षण

● भीषण ठंड में व्यवस्थाएं परख कर नागरिकों से किया संवाद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: भीषण ठंड के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त नजर आ रहा है। शहर में चहल-पहल कम रही और लोग जगह-जगह अलाव के सहारे ठंड से बचते दिखाई दिए। नगर निगम की ओर से संचालित रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्थाओं को धरातल पर परखने के लिए महापौर अर्चना वर्मा और नगरायुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने निरीक्षण किया।

महापौर और नगरायुक्त रोडवेज बस स्टैंड पर संचालित रैन बसेरा पहुंचे, जहां उन्होंने आगंतुक रजिस्टर का अवलोकन किया और वहां ठहरे लोगों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। महापौर ने रैन बसेरा में तैनात कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने न आए और बाहर से रुकने वाले नागरिकों का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान रैन बसेरा के बाहर जल रहे अलाव को भी देखा गया। इसके बाद महापौर ने नगर निगम परिसर के पास स्थित रैन बसेरा और घंटाघर क्षेत्र में लगाए गए अलावों की स्थिति का जायजा लिया और ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी रहे।

रोडवेज बस स्टैंड स्थित रैन बसेरा में निरीक्षण करतीं महापौर और नगरायुक्त।

चचेरी बहनों की तलाश मे भटक रहीं पुलिस की टीमें

संवाददाता, तिलहर

● एक कक्षा 8 तो दूसरी 11 वीं की है छात्रा, एक साथ निकलीं थी दोनों

अमृत विचार : लापता चचेरी बहनों के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। एसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने कोतवाली पहुंचकर पूरे प्रकरण की जानकारी ली और किशोरियों का सुराग लगाने के लिए सीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की।

निजामगंज मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री और 16 वर्षीय भतीजी एक इंटर कॉलेज में पढ़ती हैं। 29 दिसंबर की सुबह करीब 9:30 बजे दोनों स्कूल ड्रेस में तैयार होकर कॉलेज के लिए घर से निकली थीं। कॉलेज की छुट्टी के बाद भी जब दोनों घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। 24 घंटे से अधिक समय बीतने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। मंगलवार को एसपी ग्रामीण कोतवाली पहुंचीं, जहां उन्होंने कोतवाल राकेश कुमार से पूरे मामले की जानकारी ली। उनके निर्देश पर सीओ ज्योति यादव और कोतवाल राकेश कुमार ने शाहजहांपुर से आई सर्विलांस टीम के साथ नगर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। सीसीटीवी फुटेज में दोनों छात्राओं को मुख्य बाजार चौराहे से सुबह 9:55 बजे एक ई-रिक्शा में बैठती हुई दिखाई दीं। इसके बाद उन्हें राधा टॉकीज के सामने से रिक्शे पर बैठे हुए देखा गया।

एएसपी और सीओ ने ग्रामीण क्षेत्रों में की पैदल गश्त, दिया सुरक्षा का भरोसा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 30 दिसंबर 2025 को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भंवरे और क्षेत्राधिकारी तिलहर अमित कुमार थाना तिलहर पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त की गई।

पैदल गश्त के दौरान बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने आमजन और व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। साथ ही नागरिकों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया। गश्त के दौरान थाना तिलहर पुलिस बल को सतर्क दृष्टि रखते हुए नियमित चेकिंग, प्रभावी गश्त और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पैदल गश्त से क्षेत्र में सुरक्षा का सकारात्मक संदेश गया और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ।

थाना तिलहर क्षेत्र में पैदल गश्त करते पुलिस अधिकारी और जवान। ● अमृत विचार

हथियारों के प्रदर्शन और स्टंट करने पर लगाई रोक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का दिया संदेश

अमृत विचार: नववर्ष 2026 के आगमन के अवसर पर शाहजहांपुर पुलिस ने जनपदवासियों से शांति, सौहार्द और सुरक्षित वातावरण में उत्सव मनाने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें पुलिस का सहयोग करना आवश्यक है। जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने नववर्ष के दौरान कुछ दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्थानों पर चाकू, तलवार या किसी भी प्रकार के हथियार से केक काटकर वीडियो बनाना और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करना प्रतिबंधित है। ऐसा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी न करने और सार्वजनिक सड़कों पर केक न काटने के निर्देश दिए गए हैं। नववर्ष समारोह के दौरान डीजे और लाउडस्पीकर का प्रयोग माननीय न्यायालय और शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जाएगा। उल्लंघन की स्थिति में संबंधित आयोजकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई होगी। हुड़दंग करने वालों और असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी और उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। शराब पीकर वाहन चलाने पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य किया गया है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न देने की अपील की गई है।

आपात स्थिति में तत्काल करें संपर्क

किसी भी आपात अथवा असामान्य स्थिति में नागरिकों से तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या डायल-112 पर संपर्क करने की अपील की गई है। पुलिस ने यह भी कहा है कि नववर्ष के अवसर पर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाता है तो उसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। जनपद पुलिस की सोशल मीडिया सेल द्वारा सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। पुलिस ने दोहराया कि नववर्ष की आड़ में असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

स्मैक और तमंचा समेत दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● होटलों और ढाबों पर सप्लाई करता है स्मैक

● दूसरे युवक को पुलिस ने तमंचा और कारतूस समेत पकड़ा

अमृत विचार: चौक कोतवाली पुलिस ने ककरा पुल रोड पर ई चार्जिंग तिराहे पर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से डेढ़ किलो चरस बरामद की है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह ढाबों के आस-पास चरस की पुड़िया बनाकर बेचता है।

चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार को दिन में 11 बजे सूचना मिली कि ककरा पुल रोड पर चार्जिंग स्टेशन के निकट एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके कब्जे से डेढ़ किलो चरस और 590 रुपये बरामद किए है। पकड़ा गया आरोपी आशीष कुमार निवासी जियाखेल चौक कोतवाली है। आरोपी पर पहले से विभिन्न धाराओं के 19 मुकदमें दर्ज है। पूछताछ के दौरान ने बताया कि ढाबे के सामने चरस की पुड़िया बनाकर ट्रक चालकों को बेचता है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। इसके अलावा चौक कोतवाली पुलिस ने मंगलवार की शाम आवास विकास कालोनी जाने वाले मार्ग पर नावेद अख्तर निवासी अहमदपुर रेती थाना रामचंद्र मिशन को तमंचा व कारतूस समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया। टीम में उप निरीक्षक सुशील कुमार आदि स्टाफ तथा अन्य कई लोग मौजूद रहा। पुलिस लगातार अभियान चला रही है। अभियान के दौरान पुलिस तस्करों पर विशेष नजर रखे हुए है।

पुलिस हिरासत में आरोपी स्मैक तस्कर।

दो थानों की सामूहिक अपराध समीक्षा बैठक हुई

कलान, अमृत विचार: कलान में मंगलवार को दो थानों की सामूहिक आपराधिक कानून समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी जलालाबाद अजय राय ने की। बैठक में थाना कलान और थाना परौर क्षेत्र के प्रधानों और प्रतिष्ठित लोगों की सामूहिक उपस्थिति रही।

बैठक के दौरान लोगों को कानून से संबंधित जानकारी दी गई। बताया गया कि सात वर्ष तक की सजा वाले मुकदमों में पुलिस द्वारा गिरफ्तारी नहीं की जाती है, जिसके लिए हाई कोर्ट का वेनलगा प्रभावी है। थाना परौर प्रभारी अशोक सिंह और थाना कलान प्रभारी प्रभाष चंद्र ने विचार व्यक्त किए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

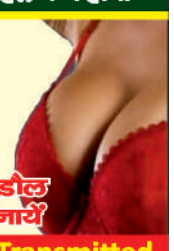

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
21 दिसंबर 2025, रविवार
04 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

शोधपरक विषयों को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करें

बरेली मोड़ स्थित एक होटल में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्य व काउंसलर का हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : बरेली मोड़ स्थित एक होटल में मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्य और काउंसलर के लिए प्रवेश परीक्षाओं और कॅरिअर संभावनाओं को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 6 जिलों के 140 डायरेक्टर व प्रिंसिपलों ने शिरकत की और अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सीबीएसई की ज्वाइंट डायरेक्टर नीति शंकर शर्मा, रीजनल ऑफिसर लखनऊ के सचिन ठाकुर, काउंसलर मीनू अरोड़ा ने किया। मुख्य अतिथि डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जिले की विलुप्त नदी भैंसी का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे खोजपरक व शोधपरक विषयों

कार्यशाला में शामिल डायरेक्टर व प्रिंसिपल। ● अमृत विचार

- कार्यशाला में 6 जिलों के स्कूलों के 140 निदेशकों व प्रधानाचार्यों ने किया प्रतिभाग

को पाठ्य पुस्तकों में सम्मिलित किया जाए। उन्होंने समाज में स्कूलों में महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनपद शहीदों की नगरी के रूप में पूरे भारत में जाना व पहचाना जाता है। जनपद के अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां आदि के बारे में भी बच्चों को जानकारी दी जाए।

डीएम ने पर्यावरण के बारे में भी बच्चों को सजग बनाने और उन्हें प्रेरित करने का सुझाव दिया। रीजनल अधिकारी सचिन ठाकुर ने कहा कि सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं होने वाली हैं। परीक्षा संबंधी सर्कुलर को ध्यान से पढ़ें और उनका पालन करें। ज्वाइंट डायरेक्टर नीति शंकर शर्मा ने कहा कि बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की जरूरत

कार्यक्रम में डीएम को स्मृति चिन्ह देते सीबीएसई के अधिकारी। ● अमृत विचार

है। स्वागत भाषण सीबीएसई कोऑर्डिनेटर राजीव मोहन पांडेय ने दिया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में शाहजहांपुर, लखीमपुर, पीलीभीत, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद के सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्य-काउंसलर शामिल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीआईओएस हरिवंश कुमार, बीएसए दिव्या गुप्ता रहे। संचालन शालिनी प्रजापति ने किया। इस अवसर पर डां रोहित सिंह, वर्षा अग्रवाल, अरूण खंडेलवाल, मून जौहरी, पूनम चौधरी, सुरेंद्र सिंह, कमलजीत सिंह आदि समेत तमाम प्रबंधक व प्रधानाचार्य मौजूद रहे। आभार रचित अग्रवाल ने व्यक्त किया।

यूपीसीए ने जिले को दिया चैलेंजर ट्रॉफी कराने का ऑफर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के बैनर्र तले जिला स्तरीय चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेश की महिला खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। टूर्नामेंट आगामी फरवरी माह में कराया जाएगा।

महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने शाहजहांपुर में चैलेंजर ट्रॉफी कराने की घोषणा की है। एसोसिएशन में एपेक्स के सदस्य आनंद पाठक ने बताया कि यूपीसीए ने जिले में क्रिकेट ट्रॉफी कराने का ऑफर दिया है। इसके तहत फरवरी में कृषको खाद फैक्टरी के टर्फ पर टूर्नामेंट कराया जाएगा। इसमें प्रदेश के कई जिलों टीमें आएंगी।

जिले में महिला खिलाड़ी नहीं मिलने पर बरेली, पीलीभीत, बदायूं आदि खिलाड़ियों को मिलाकर मंडल टीम को तैयार कराई जाएगी। आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की सूची चस्पा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: सरकारी स्कूलों में बच्चों का रुझान बढ़ाने और उपस्थिति प्रतिशत सुधारने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विशेष मुहिम चलाई जा रही है। अभियान के तहत जिन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत रहती है, वहां के बच्चों की फोटो बीएसए कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर एक सप्ताह के लिए चस्पा की जा रही है।

इसी क्रम में सोमवार को पुवायां क्षेत्र के जेवां पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को यह उपलब्धि हासिल हुई। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति 100 प्रतिशत रहने पर स्कूल की शिक्षिका पल्लवी द्वारा बच्चों की फोटो बीएसए दिव्या गुप्ता को उपलब्ध कराई गई, जिसके बाद होनहार बच्चों की फोटो बीएसए कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई। बीएसए ने बताया कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य

नोटिस बोर्ड पर चस्पा फोटो।

बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और शिक्षा के प्रति उनमें उत्साह बढ़ाना है। बच्चों की फोटो एक सप्ताह तक नोटिस बोर्ड पर लगी रहेगी, जिससे अन्य विद्यालयों के स्टाफ और बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर बीएसए दिव्या गुप्ता ने शिक्षिका पल्लवी के साथ नववर्ष के लिए तैयार किए गए सेल्फी फ्रेम में सेल्फी भी ली, जिससे बच्चों और विद्यालय स्टाफ का उत्साह और बढ़ेगा।

उड़ान एक उम्मीद संस्था ने टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली

- उड़ान एक उम्मीद और विहास डेवलपमेंट सोसाइटी की संयुक्त पहल से हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उड़ान एक उम्मीद संस्था ने विहास डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ मिलकर अपने गोद लिए हुए 20 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। संस्था द्वारा यह कार्य पिछले वर्ष शुरू किया गया था। शुरुआत में भावलखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर 10 टीबी मरीजों को गोद लिया गया था। टीबी की दवाएं सरकार की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं, जबकि पोषण पोटली संस्था की ओर से दी जाती है।

छह माह की अवधि पूरी होने पर संस्था द्वारा अगले 10 मरीजों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरण का कार्य शुरू किया गया। बीते पांच माह से सीएमओ डॉ. विवेक कुमार मिश्रा भी इस अभियान में संस्था के

पोषण पोटली वितरित करते संस्था और स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

साथ जुड़े हैं, जिससे लाभान्वित मरीजों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। वर्तमान में सभी 20 टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है। संस्था की अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने कहा कि मरीजों को स्वस्थ होते देखना उनके लिए अत्यंत संतोषजनक है और संस्था यह कार्य लगातार जारी रखेगी, जब तक समाज टीबी मुक्त नहीं हो जाता। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष रेखा मोदी, महामंत्री शैली गुप्ता, सह सचिव रश्मि गुप्ता के साथ डॉ. मोहम्मद फैज़ल, सिद्धार्थ गुप्ता और आरती सिंह आदि मौजूद रहीं।

अटल आवासीय विद्यालय के लिए मांगे गए आवेदन

संवाददाता, शाहजहांपुर

- पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए है योजना

अमृत विचार : पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बालक एवं बालिकाओं का अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा-6 व कक्षा-9 में प्रवेश के लिए विभाग ने आवेदन मांगें हैं।

सहायक श्रम आयुक्त नासिर खान ने बताया कि उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड लखनऊ के अन्तर्गत मंडल स्तरीय अटल आवासीय विद्यालय, अधकटा नजराना, नबाबगंज, बरेली में सत्र 2026-2027 चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा 6 में 160 और कक्षा 9 में 140 सीटों के लिए प्रवेश दिया जाना है, जिसमें छात्र-छात्राओं का अनुपात बराबर होगा। उन्होंने बताया कि जनपद शाहजहांपुर के पंजीकृत निर्माण श्रमिक जो पंजीयन के उपरान्त 30 नवंबर 2025 को कम से कम 3 वर्ष बोर्ड की सदस्यता अवधि पूर्ण कर चुके हों, उनके प्रति परिवार अधिकतम 2 बच्चे पात्र होगे। पात्र पंजीकृत निर्माण श्रमिक के इच्छुक पुत्र-पुत्रियों से ऑनलाईन औरऑफलाईन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। उम्मीदवार आवेदन बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in तथा अटल आवासीय विद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2026 है। पूर्ण रूप से भरकर आवेदन पत्र संलग्नकों सहित 31 जनवरी 2026 की सायं 5 बजे तक कार्यालय जिला प्रोवेशन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक या जिला बेसिक शिक्षाधिकारी व सहायक श्रमायुक्त, मोहल्ला सैनिक कालोनी, शाहजहांपुर में ऑफलाईन जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की शिक्षा में काफी लाभ होगा।

बरेली क्लब : ब्रिगेडियर एचपीपी सिंह अध्यक्ष चुने गए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली क्लब लिमिटेड की एजीएम में 15 सदस्यीय निदेशक मंडल का निर्विरोध चुनाव

अमृत विचार: बरेली क्लब लिमिटेड की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित क्लब के लॉन में आयोजित हुई। इसमें आर्मी और सिविल दोनों वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही। एजीएम की औपचारिक शुरुआत क्लब सचिव लेफ्टिनेंट कर्नल कंवलजीत सिंह ने कराई। एजीएम में 15 सदस्यीय निदेशक मंडल के लिए जितने पद थे, उतने ही नामांकन आने से बोर्ड का गठन निर्विरोध हुआ। इसमें परंपरा के अनुसार ब्रिगेडियर एचपीपी सिंह, वीएसएम को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

मंच से नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पिछले निदेशक मंडल, सचिव, ऑडिटरों, बाहरी ऑडिटर, कंपनी सचिव के उत्कृष्ट योगदान की प्रशंसा की। क्लब में पिछले वर्ष जोड़ी नई सुविधाओं और नवीनीकरण कार्यों का विवरण भी साझा किया। सभा में कुल 25 प्रस्ताव रखे गए, जिन पर ई-वोटिंग और व्यक्तिगत मतदान के माध्यम से निर्णय लिया गया। इनमें सिविल आश्रित सदस्यों के लिए प्रवेश शुल्क या दान में कमी, मानद सदस्यता प्रदान करना, एसोसिएशन के अनुच्छेदों में संशोधन कर न्यूनतम सदस्य आवश्यकता बढ़ाना, निदेशकों की संख्या पंद्रह से घटाकर तीन करना, क्लब की खेल सुविधाओं का उपयोग केवल सदस्यों और उनके निकट परिवार तक सीमित करना, मासिक सदस्यता शुल्क

निर्विरोध चुने गए निदेशक मंडल

निर्विरोध चुने गए नए निदेशक सेना और नागरिक दोनों वर्गों से शामिल हैं। इसमें सेना में निदेशक ब्रिगे. एचपीपी सिंह, कर्नल पंकज पंत, कर्नल विशाल कुमार सिंह, कर्नल विनय गुरुंग, ग्रुप कैप्टन राजीव रंजन, कर्नल अनुभव शर्मा, कर्नल अंकुर शर्मा, कर्नल अर्जुन सिंह तोमर और कर्नल अजीत बसवान बोर्ड में चुने गए। नागरिक वर्ग से निदेशक गुरबचन सिंह चावला, सौरभ मेहरोत्रा, अनंत वीर सिंह, विपिन अग्रवाल, विजय कपूर और मनीष सहगल निर्विरोध चुने गए।

में तर्कसंगतीकरण और सदस्यता हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। कुछ प्रस्तावों पर निर्णय के लिए एनएसडीएल के माध्यम से ई-वोटिंग कराई गई, साथ ही मौके पर मतदान भी हुआ। सभी की निगाहें प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद घोषित किए जाने वाले परिणामों पर हैं।

क्लब के सदस्य राजा चावला ने बताया कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्षिक सभा हुई। क्लब के सदस्य बरेली के मेयर उमेश गौतम ने सौरभ मेहरोत्रा, बिपिन अग्रवाल, निमित अग्रवाल और अजय शुक्ला की उपस्थित में वोट डाला। धन्यवाद प्रस्ताव निदेशक अनंत वीर सिंह ने भावपूर्ण ढंग से पढ़ा, जिसमें उन्होंने क्लब प्रबंधन में भारतीय सेना के निरंतर समर्थन के लिए गहन आभार व्यक्त किया। उन्होंने सेना की उस महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया जो क्लब की समृद्ध विरासत को बनाए रखने में निभाती है। ब्रिगेडियर एचपीपी सिंह ने बताया कि सभा सकारात्मक, उत्साहपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण वातावरण में समाप्त हुई।

बूलन शाह मियां का सालाना उर्स शुरू

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : हज़रत बूलन शाह मियां का 314 वां तीन दिवसीय सालाना उर्स मंगलवार से शुरू हो गया। मोहल्ला लोधीपुर स्थित दरगाह पर दूर-दराज से आए लोगों ने हाजिरी दी और अपनी अकीदतों के नजराने पेश किए। देर शाम दरगाह पर महफिल ए मीलाद-उन-नबी हुई। जिसमें उलेमा ने तकरीरों के ज़रिए वलियों की ज़िंदगी और उनके योगदान पर रोशनी डाली। इस दौरान नात व मनकबत पेश की गई। गद्दी नशीन मोहम्मद सईद व अब्दुल रहमान ने बताया कि 31 दिसंबर को रस्म ए गागर और चादर अदा की जाएगी। शाम को कव्वालियां होंगी। 1 जनवरी को सुबह 10 बजे फ़ातेहा ख्वानी (छोटा क़ुल) होगी। शाम 6 बजे क़ुल शरीफ़ होगा। जिसमें शहर पेश इमाम मौलाना हुज़ूर अहमद मंज़री को आमंत्रित किया गया है। कुल के बाद महफिल ए समा में कव्वालियां होंगी। उन्होंने बताया कि 2 जनवरी को हजरत हाफिज जहीर शाह मियां का सुबह दस बजे कुल शरीफ होगा। वहीं दूसरी ओर लोधीपुर में रेलवे लाइन के निकट हजरत लाल शाह बाबा का दो दिवसीय सालाना उर्स भी आज कुरआन ख्वानी के साथ शुरू हो गया। दरगाह के खादिम अशफाक अली ने बताया कि आज पूरे दिन मजार पर जायरीन ने आकर गुलपोशी व चादरपोशी की। शाम को मीलाद की महफिल सजी। उन्होंने बताया कि बुधवार को शाम 6 बजे कुल शरीफ होगा। इसके बाद जायरीन में लंगर का वितरण किया जाएगा।

आशा संगिनी की हड़ताल जारी

बदायूं, अमृत विचार : प्रांतीय आवाहन पर आशा संगिनी वर्कर्स यूनियन की अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रदर्शन सोलहवें दिन भी जारी रही। विभिन्न मांगों को लेकर आशा संगिनी वर्कर्स यूनियन पिछले सोलह दिन से मालवीय आवास गृह पर हड़ताल पर बैठी हैं। आशा संगिनी की लखनऊ में मुख्य सचिव श्रवण कुमार बघेल से प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी की वार्ता भी हो चुकी है। फिर भी उनकी समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। नियमित मानदेय देने व उनके काम का समय निर्धारित किया जाए। मांगें पूरी करने को पांच सदस्य कमेटी बना कर मामले को सुलझाया जाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष जौली वैश्य के साथ छाया देवी, शांती देवी, नवरत्न, ज्योति, भूदेवी, कमलेश, गुडिया राजबाला बेटी आदि मौजूद रहीं।

ईसीसीई एजुकेटर की कराई काउंसलिंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में संचालित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों एवं चयनित विद्यालयों में ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार को आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग कराने के लिए 211 अभ्यर्थी पहुंचे। उनके अभिलेख जांचे गए। काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा।

जिले के परिषदीय विद्यालयों में संचालित को-लोकेटेड 179 आंगनबाड़ी केंद्रों ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति की जानी है। इन पदों पर तीन सौ से अधिक अभ्यर्थियों ने सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया है। अब उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। मंगलवार को डायट में काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग प्रक्रिया में 211 अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग कराई। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन किया गया। बीएसए कार्यालय के अनुसार काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा। बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ईसीजी एजुकेटर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

माई बार हेडक्वार्टर के मैनेजर पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

प्राइवेसी के नाम पर अश्लीलता का इंतजाम

शहर से लेकर बड़ा बाईपास पर स्थित रेस्टोरेंट और ढाबो में प्राइवेसी के नाम पर अश्लीलता करने का पूरा इंतजाम किया गया है। शहर में कई ऐसे ढाबे और रेस्टोरेंट हैं, जहां प्राइवेसी उपलब्ध कराने के लिए केबिन की सुविधा दी जा रही है। इन केबिन में अनैतिक काम हो रहे हैं। बड़ा बाईपास पर मौजूद कई बड़े ढाबे वाले बांस के केबिन बनाकर अनैतिक और अश्लील कामों को बढ़ावा दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि बड़ा बाईपास पर स्थित ढाबों में केबिन देकर प्रतिदिन हजारों रुपये की कमाई की जा रही है। केबिन में नाबालिग से लेकर स्कूली छात्र छात्राएं तक जाते हैं।

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के सेटेलाइट पीलीभीत बाईपास रोड पर स्थित माई बार हेडक्वार्टर रेस्टोरेंट में युवती से अभद्रता कर मार-पीट के मामले में आबकारी विभाग बैकफुट पर आ गई है। वहीं, सेटेलाइट चौकी पर तैनात दरोगा महावीर सिंह ने बार के मैनेजर नितेश चौहान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने लकी दीप, शिवम, अमन राय और जसदीप को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है।

सेटेलाइट चौकी पर तैनात दरोगा महावीर सिंह के मुताबिक 25 दिसंबर की रात क्रिसमस के मौके पर माई बार हेडक्वार्टर रेस्टोरेंट में अनुमति के बिना तेज आवाज में

- पीड़िता की तहरीर पर पहले रिपोर्ट दर्ज कर चार को भेजा जेल

डीजे बजाया जा रहा था। आसपास के लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया। रेस्टोरेंट मैनेजर दुर्गानगर निवासी मैनेजर नितेश कुमार को थाने बुलाकर डीजे बजाने की अनुमति दिखाने को कहा गया। इस पर नितेश अनुमति नहीं दिखा सका। नितेश को पहले भी पुलिस हिदायत दे चुकी थी। बारादरी पुलिस ने नितेश के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियम व बीनएस की धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया है। दरअसल बवाल वाली रात युवती के साथ अभद्रता की गयी और विरोध पर हमला कर उसका सिर फोड़ दिया गया था। मामले में पुलिस ने युवती की तरफ से रौनित, सलोनी पटेल, ध्रूव राय, अमन राय, चिराग गुप्ता और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की तिथियां संशोधित कीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी को होगा

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की घोषित तिथियों में संशोधन कर नई समय-सारिणी जारी की गई है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा।

नई तिथियों के अनुसार दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक निर्धारित की गई है। इस दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने या आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। निर्वाचन आयोग की ओर से बताया गया है कि 6 जनवरी से 27 फरवरी तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय तथा दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। सभी मामलों का परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। संशोधित कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 6 मार्च 2026 को किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि निर्धारित अवधि में अपने नाम, विवरण और प्रविष्टियों की जांच कर आवश्यक दावे और आपत्तियां समय पर दर्ज कराएं, ताकि अंतिम मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

न्यूज ब्रीफ

खेत में घुसी बाइक तारकशी से दो घायल

बितरोई, अमृत विचार : मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव परमू निवासी राजकुमार पुत्र लालमन और आशाराम पुत्र मनसुख गांव सरकी दम्मू से बाइक से लौटकर अपने घर जा रहे थे। इस्माइलपुर मेमड़ी जाने वाले मार्ग पर सामने से आई दूसरी बाइक से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी। खेत में की गई तारकशी से वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से घायलों को सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी परिजनों की ओर से तहरीर दी गई है। वह दोनों शराब के नशे में धुत बताए जा रहे हैं।

दो जनवरी से होगा ग्राम चौपाल का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि सभी ब्लाकों में ग्राम चौपाल का आयोजन होगा। ग्राम चौपाल दो जनवरी से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को होगी। जिसमें गांव की समस्या, समाधान किया जाएगा। जनवरी से मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को समस्त ब्लॉक की दो-दो ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल आयोजित कराई जाएगी।

सीडीओ ने बताया कि ग्राम चौपाल आयोजित किये जाने के लिए ग्राम पंचायतों का त्रैमासिक रोस्टर तैयार किया गया है। जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, उपायुक्त एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किसी एक विकास खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग करने हेतु दिशा-निर्देश भी जारी किये गये हैं।

15 तक पोर्टल पर होगी वक्फ की फीडिंग

बदायूं, अमृत विचार : जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया है कि शासन ने एकीकृत वक्फ प्रबन्धन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम के अनुसार उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल पर मौजूदा वक्फ की सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किए जाने के लिए 15 फरवरी तक तिथि बढ़ा दी है। इसके लिए जनपद स्तर पर चार सुन्नी एवं एक शिया वक्फ कोआर्डिनेटर तैनात किए गए हैं। उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ सम्पत्तियों को दर्ज कराने हेतु मुतवल्लियों को सुविधा प्रदान करने के लिए जनपद स्तर पर उम्मीद पोर्टल फीडिंग सेन्टर मदरसा आलिमा जनाब लालपुल बदायूँ में स्थापित किए गए हैं।

जिले में सड़कों की गुणवत्ता परखेंगे शासन के दूत

4 जनवरी से जांच शुरू करेगी टेक्निकल ऑडिट सेल टीम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- टीएससी जांच टीम के आने की सूचना पर अभिलेखों को दुरुस्त करने में लगा पीडब्ल्यूडी

अमृत विचार : शासन की टेक्निकल ऑडिट सेल (टीएसई) टीम जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़कों की जांच करने आ रही है। टीम चार जनवरी को पहुंचेगी। तीन दिन रुक कर सड़कों की गुणवत्ता परखने के बाद सैंपल भी लिए जाएंगे। साथ ही अब तक खर्च की गई धनराशि का ब्योरा भी टीम परखेगी। शासन की टीम आने की सूचना पर लोक निर्माण विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। अभिलेखों को दुरुस्त किया जा रहा है। जिससे उन्हें टेक्निकल ऑडिट सेल के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकें।

शासन की टीएसई टीम हर साल लोक निर्माण विभाग की कुछ सड़कों की जांच कर रिपोर्ट तैयार करती है। जिसे शासन में प्रस्तुत किया जाता है। हर साल की तरह ही इस बार भी टेक्निकल ऑडिट सेल (टीएसई) टीम जिले में आ रही है। टीम चार जनवरी की शाम को जिले में पहुंच जाएगी। 5 जनवरी से 7 जनवरी तक रुक कर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए गए निर्माण कार्य की जांच करेगी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की मानें तो शासन से आने वाली टीएसई की टीम द्वारा साल 2024-2025 और 2025-2026 में किए गए निर्माण कार्य की जांच करेगी। टीम शामिल अधिकारियों के द्वारा निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए गए मैटेरियल की गुणवत्ता परखने के लिए सैंपल भी लिए जाएंगे। इसके अलावा निर्माण कार्य के लिए शासन से आवंटित हुई धनराशि का ब्योरा टीम के द्वारा देखा जाएगा। साथ ही कितनी धनराशि खर्च की गई है। उसका भी ब्योरा टीम के द्वारा देखा जाना है। शासन से आने वाली टीएसई टीम की सूचना पर लोक निर्माण विभाग में हलचल तेज हो गई है। अधिकारी कर्मचारी पत्रावलियों को तैयार करने में लगे हुए हैं। उनके द्वारा मिली धनराशि का कहां कहां उपयोग किया गया है। सभी अभिलेख तैयार किए जा रहे हैं। जिससे शासन से आने वाली टीम के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकें।

> हर साल शासन स्तर से टेक्निकल ऑडिट सेल (टीएसई) टीम आती है। इस बार भी आ रही है। शासन का पत्र मिल चुका है। टीम यहां पहुंचकर सड़कों की गुणवत्ता को परखेगी। साथ ही आवंटित धनराशि क्या कार्य हुए उनको भी देखा जाएगा। तैयारी चल रही है।
> - **नरेश कुमार सिंह**, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

पत्रकारों ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बिल्सी, अमृत विचार : द जर्नलिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम प्रेमपाल सिंह को सौंपा। ज्ञापन में पत्रकारों की सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को उठाया गया।

पदाधिकारियों ने पत्रकार सम्मान निधि-पेंशन योजना न्यूनतम 25 हजार मासिक से शुरू करने, 50 वर्ष के बाद आजीवन सुविधाएं देने, यूनिक पत्रकार कार्ड जारी करने, पत्रकार सुरक्षा कानून व प्रेस आयोग के गठन की मांग की। साथ ही आयुष्मान योजना का लाभ परिवार सहित, टोल फ्री यात्रा सुविधा, पत्रकार कॉलोनी, प्लॉट आरक्षण, 50 लाख दुर्घटना बीमा व लघु व मध्यम समाचार पत्रों के लिए निष्पक्ष विज्ञापन नीति लागू करने की मांग रखी गई। इसके अलावा मान्यता प्राप्त व गैर-मान्यता प्राप्त पत्रकारों के बीच भेदभाव समाप्त कर शिक्षा व अनुभव के आधार पर समान नीति लागू करने की मांग की गई। इस मौके पर डा.नीरज अग्निहोत्री, प्रशांत जैन, आरके आर्य, अतुल वाष्णेय, सूरज सागर आदि मौजूद रहे।

आसफपुर में दो झोलाछापों को जारी किया नोटिस

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : झोलाछापों के खिलाफ मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने आसफपुर क्षेत्र में छापेमारी की। इसके बाद झोलाछापों की दुकान धड़ाधड़ बंद हो गई। टीम ने दो दुकानदारों को नोटिस भी दिए। टीम ने एक मेडिकल स्टोर भी चेक किया।

मंगलवार को सीएमओ कार्यालय की तीन सदस्यीय टीम आसफपुर क्षेत्र के गांव सिसरका पहुंची। सिसरका में करीब तीन दर्जन से अधिक झोलाछाप हैं इन झोलाछापों पर कार्यवाही नहीं की जाती है। कई बार शिकायत करने के बाद मंगलवार को टीम गांव पहुंची। गांव में जैसे ही एसीएमओ की गाड़ी पहुंची वैसे ही झोलाछापों ने दुकाने बंद करनी शुरू कर दीं। धड़ाधड़ दुकाने बंद कर झोलाछाप भाग गए। एसीएमओ डॉ. मोहन झा ने एक झोलाछाप को पकड़ लिया उसको नोटिस देकर जबाब मांगा, जबकि एक अन्य झोलाछाप से बात करने के बाद उसे छोड़ दिया गया। टीम ने

सिसरका में खड़ी एसीएमओ की गाड़ी।

गांव में एक मेडिकल स्टोर पर भी छापा मारा। मेडिकल स्टोर मालिक ने कहा कि वह विभाग से बात कर लेगा उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होगी। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्यवाही से जहां झोलाछापों में हड़कंप मचा रहा वहीं कुछ लोगों ने कहा कि मामला ले देकर निपटा लिया जाता है। स्वास्थ्य विभाग किसी के खिलाफ कार्यवाही नहीं करता है। पहले भी इस तरह के नोटिस दिए गए उनके खिलाफ आज तक कार्यवाही नहीं की गयी है। सभी दुकाने चला रहे हैं।

टनकपुर-अछनेरा ट्रेन का अवधि विस्तार किया

बदायूं, अमृत विचार : रेलवे प्रशासन ने टनकपुर-अछनेरा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन (गाड़ी संख्या 05062/05061) के संचालन की अवधि बढ़ा दी है।अब यह ट्रेन अब 1 जनवरी 26 से फरवरी 2026 तक चलेगी। ट्रेन की अवधि बढ़ाए जाने से इस जिले व आसपास के क्षेत्रों के रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा के अनुसार, अवधि विस्तार के बाद यह विशेष गाड़ी सप्ताह में पांच दिन संचालित होगी। यह ट्रेन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी। बदायूं स्टेशन पर यह सुबह 7:16 बजे पहुंचेगी और वापसी में अछनेरा से चलकर शाम 7:37 बजे बदायूं पहुंचेगी। टनकपुर से चलकर यह ट्रेन खटीमा, पीलीभीत, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली सिटी और बरेली जंक्शन होते हुए बदायूं पहुंचती है। यह सेवा बदायूं, उझानी, कासगंज और हाथरस क्षेत्र के यात्रियों को मथुरा और आगरा मंडल की ओर सीधा आवागमन प्रदान करेगी।

जिला अस्पताल में अब नहीं घुस पाएंगे बाहरी लोग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मरीजों से पैसे लेकर काम कराने की घटना का खुलासा होने के बाद जिला अस्पताल में सख्ती शुरू कर दी है। अस्पताल में आने वाले संदिग्ध लोगों की आईडी चेक की जा रही है। इससे अप्रिय घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि इस तरह की घटनाओं पर पूर्णतया रोक लगाई जाएगी।

सोमवार को एक युवक महिला मरीज से रुपये लेकर एक्स रे कराने पहुंचा। यहां भीड़ अधिक होने पर महिला अंदर नहीं घुस सकी। देर होने पर महिला ने शोर मचा दिया। कहा कि उसने 50 रुपये दिए हैं फिर भी उसका एक्स रे नहीं हो रहा है। इसी बात को लेकर अन्य मरीजों ने भी हंगामा कर दिया। मरीजों के हंगामा करने के बाद एक्स रे रूम बंद कर दिया गया। इसके बाद रुपये लेने वाले युवक को सुरक्षा गार्डों ने दबोच लिया। उसे सीएमएस कार्यालय में लाया गया। नाम पता पूछने के बाद उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस घटना के बाद से अस्पताल प्रशासन पर दलाली का आरोप लगाया गया, जबकि अस्पताल प्रशासन ने कहा कि उसे इस घटना की जानकारी बाद में मिली जिसके बाद युवक के खिलाफ कार्रवाई की। घटना के बाद से जिला अस्पताल में सख्ती शुरू कर दी गई है। सीएमएस डॉ. अमित वार्ष्णेय के आदेश पर जिला अस्पताल में संदिग्ध लोगों की आईडी चेक की जा रही है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को सुरक्षा गार्डों ने ऐसे कई युवकों की आईडी चेक कर उनसे पूछताछ की। चार युवकों को बेवजह घूमने पर अस्पताल से भगा दिया गया, जबकि दर्जनभर से अधिक संदिग्धों की आईडी चेक की गई। सुरखी गार्डों ने कहा कि अब सख्ती शुरू कर दी है। सख्ती से अप्रिय घटनाओं पर रोक लगेगी। वाहन चोरी या अन्य घटनाएं नहीं होंगी। इस तरह की सख्ती पहले भी की गई थी, मगर कुछ दिनों के बाद ढील डाल दी गई। इससे इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगीं। जिला अस्पताल में एक साल पूर्व दवा लेने आई एक महिला को नशा देकर उसके जेवर और पर्स लूट लिया गया था। महिला के होश में आने पर घटना की जानकारी हुई। इसके बाद अस्पताल में सख्ती शुरू कर दी गई। कुछ दिनों के बाद एक जेब कतरा पकड़ा गया था। एक वाहन चोरी की घटना के बाद भी भारी हंगामा हुआ था। घटनाओं के बाद ही शासन से सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई। हालांकि इस तरह की तैनाती पूरे प्रदेश में की गई है।

जिला अस्पताल में युवक की आईडी चेक करता सुरक्षागार्ड। ● अमृत विचार

- अवैध वसूली को लेकर जिला अस्पताल प्रशासन ने लिया निर्णय

> जिला अस्पताल में सोमवार को एक मरीज से पैसे लेने का मामला सामने आया था। इसके बाद सुरक्षा गार्डों को निर्देशित किया गया कि अस्पताल में आने वाले संदिग्धों पर नजर रखें उनकी आईडी चेक करें। बिना वजह किसी को न घूमने दें। मंगलवार से से ही सख्ती शुरू कर दी गई है।
> - **डॉ. अमित वाष्णेय** - सीएमएस, जिला अस्पताल

एक साल में खोजे टीबी के 11 हजार मरीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : क्षय रोग विभाग ने शासन से मिले लक्ष्य के साक्षेप अधिक टीबी मरीजों को खोज कर उनका इलाज किया है। नए साल में 202 ग्राम पंचायतों को संभावित को टीबी मुक्त घोषित किया जाएगा।

जिला क्षय रोग विभाग को वर्ष 2025 में 10 हजार 758 टीबी के मरीजों को खोज कर उनका उपचार करने का लक्ष्य दिया गया था। इसके बाद क्षय रोग विभाग ने लगातार जिले के कस्बों और गांवों स्कूलों कॉलेजों में गोष्ठियां शुरू कर टीबी के प्रति जागरुकता अभियान चलाया। इसके बाद जनवरी 2025 से 30 दिसम्बर 25 तक क्षय रोग विभाग ने कुल 11 हजार 206 टीबी के मरीजों को खोज कर उनका उपचार किया। इसमें से 50 प्रतिशत ठीक हो चुके हैं और शेष मरीजों का उपचार किया जा रहा है। लक्ष्य के सापेक्ष 103 प्रतिशत अधिक मरीजों को खोजा गया। इससे विभाग उत्साहित है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि इस साल उन्होंने अभियान चला कर 202 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त कराया है। इसकी घोषणा विश्व क्षय रोग दिवस पर 24 मार्च 2026 को की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की जांच कर दवा दी जाती है। उनके प्रयासों से ही जिले से अब टीबी के मरीज कम होने लगे हैं। मरीज जागरूक हो रहे हैं। स्वयं अस्पताल आकर जांच करा रहे हैं। शासन की ओर से उन्हें एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। इससे वह लोग अपने खाने के लिए इधर न भटकें। जिला अस्पताल स्थित जिला क्षय रोग केंद्र पर मंगलवार को 87 मरीजों की जांच की गयी जबकि 154 मरीजों को दवा दी गई।

पिछले साल 132 ग्राम पंचायतें हुई टीबी मुक्त

वर्ष 2024 में जिला क्षय रोग द्वारा 132 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया था, जबकि इस साल अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जाएगा। जिन ग्राम पंचायतों को गत वर्ष टीवी मुक्त घोषित किया गया था उनमें अब एक भी टीबी का मरीज नहीं है। हालांकि कई संभावित मरीजों की जांच की गयी इनमें टीबी के लक्षण नहीं पाए गए जिससे उक्त सभी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया था।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

मिल ने किया 2.10 करोड़ का भुगतान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बिसौली चीनी मिल पर बकाया है गन्ना किसानों के 11 करोड़ रुपये

अमृत विचार : बिसौली चीनी मिल ने मंगलवार को पिछले साल का दो करोड़ 10 लाख का भुगतान किया है। भुगतान करने के बाद भी मिल पर गन्ना किसानों के 11 करोड़ रुपये बकाया है। मिल प्रशासन ने 2024-25 का 88 प्रतिशत भुगतान कर दिया है।

जनपद की सबसे बड़ी चीनी मिल बिसौली की यदु शुगर मिल पर गन्ना किसानों का पिछले गन्ना पेराई सत्र का 95 करोड़ रुपये बकाया था। इसमें से मिल प्रशासन ने भुगतान कर दिया। मिल प्रबंधन पर अभी भी 11 करोड़ बकाया है। बकाया भुगतान जल्द करने का दबाव जिला गन्ना अधिकारी द्वारा बनाया जा रहा है। वर्ष 2025 -26 में अब तक सात लाख 23 हजार क्विंटल गन्ने की खरीद की है। इसकी गन्ना मूल्य कीमत 28 करोड़ 41 लाख है। धनराशि में से मिल प्रशासन ने अब तक 3 करोड़ 96 लाख का भुगतान किया है। मिल प्रबंधन द्वारा गन्ना किसानों का भुगतान जल्द करने का आश्वासन दिया है।

शेखूपुर की सहकारी चीनी मिल ने अब तक तीन लाख 82 हजार क्विंटल गन्ने की खरीद की है जो करीब 15 करोड़ 28 लाख रुपये कीमत का है। मिल ने अब तक 4 करोड़ 15 लाख का भुगतान भी कर दिया है। शेखूपुर चीनी मिल ने अपने क्षेत्र के गन्ना किसानों से कहा है कि वह अपना गन्ना जल्द मिल गेट तक पहुंचाएं जिससे उनका भुगतान भी जल्द किया जाए। मिल प्रशासन की ओर से गन्ना किसानों को लगातार भुगतान किया जा रहा है।

शेखूपुर चीनी मिल के महाप्रबंधक मणि अरोड़ा ने बताया कि मिल प्रशासन के सीसीओ और अन्य कर्मचारी गन्ना किसानों से उनके गांव में संपर्क कर रहे हैं जिससे गन्ना किसान जल्द ही गन्न मेल गेट पर पहुंचाएं। अब तक करीब दर्जन भर गांवों में गन्ना किसानों से संपर्क किया जा चुका है। किसान गन्ना लेकर भी पहुंच रहे हैं। कोहरे के कारण गन्ना किसानों को दिक्कत हो रही है जिससे उनका गन्ना मिल गेट तक समय से नहीं पहुंच पा रहा है। हरदोई की रूपापुर चीनी मिल के क्रय केंद्रों पर भी लगातार क्षेत्र के किसान गन्ना पहुंचा रहे हैं। मिल के अधिकारी अपने गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण भी कर रहे हैं साथ ही गन्ना किसानों के बीच भी पहुंच रहे हैं। गुलडिया क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में मिल प्रशासन ने संपर्क किया है।

उझानी और बिल्सी मंडी का किया जाएगा कायाकल्प

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 9.69 करोड़ से बनेंगे चबूतरे दुकानों की छतें बनेंगी वाटर प्रूफ
- शासन से प्रस्ताव पर लगाई मुहर, मुख्य गेट का होगा चौड़ा

अमृत विचार : विधानसभा बिल्सी की उझानी और बिल्सी की नवीन मंडियों का कायाकल्प किया जाएगा। भीतर के मार्ग दुरुस्त किए जाएंगे। चबूतरे का निर्माण होगा। मुख्य गेटों का चौड़ीकरण किया जाएगा। दुकानों की छतें वाटर प्रूफ बनेंगी। दुकानों के बरामदे के आगे एसी शीट के स्थान पर मैटेलिक सीट लगेगी। बिल्सी विधायक की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर शासन की मुहर लग गई है। दोनों मंडियों में 9 करोड़ 69 लाख 91 हजार रुपये से काम कराए जाएंगे।

हरीश शाक्य, विधायक

बिल्सी मंडी के आंतरिक मार्ग हॉट मिक्स पद्धति से एक करोड़ 38 लाख 39 लाख रुपये से बनेंगे। इंटरलॉकिंग का कार्य 12.80 लाख रुपये, 250 मीटर निर्माण और 802 मीटर आरसीसी नाली की मरम्मत पर 16.45 लाख रुपये खर्च होंगे। आरसीसी क्रॉसिंग 1.48 लाख रुपये से बनेगी। छायादार नीलामी चबूतरे पर एससी सीट के स्थान पर 33.51 लाख रुपये मैटेलिक शीट लगेगी और मरम्मत होगी। दो गेटों का चौड़ीकरण व गेट पिलर का निर्माण 14.87 लाख रुपये, गोदामों की मरम्मत व छतों के वाटर प्रूफिंग का कार्य 45.99 लाख से कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा अ, ब, स श्रेणी की दुकानों के सामने बरामदे की एसी शीट के स्थान पर 12.11 लाख रुपये मैटेलिक सीट लगेगी। खाद्यान्न और फल व सब्जी मंडी में स श्रेणी की दुकानों का निर्माण 115.62 लाख रुपये से कराना निश्चित हुआ है। पहले से बनी हुई चहारदीवारी के उच्चीकरण व मरम्मत, रंगाई-पुताई पर 11.78 लाख, आंतरिक विद्युतीकरण पर 10.41 लाख रुपये काम कराया जाएगा। बिल्सी मंडी में 492 लाख 7 हजार रुपये से मंडी विकास निधि से काम होंगे। इसी तरह उझानी की मंडी के आंतरिक मार्गों का हॉट मिक्स पद्धति से सौंदर्यीकरण का काम 285 लाख 64 हजार रुपये, इंटरलॉकिंग टाइल्स का काम 53 लाख 25 हजार रुपये, आरसीसी नाली का निर्माण 23.67 लाख रुपये से होगा। एक नंबर आरसीसी क्रॉसिंग कल्वर्ट 80 हजार रुपये से बनाया जाएगा। छायादार नीलामी चबूतरा की क्षतिग्रस्त एसी शीट के स्थान पर 11.80 लाख रुपये मैटेलिक सीट डलेगी। कार्यालय भवन, चेक पोस्ट की छतों की वाटर प्रूफिंग, फर्श में विट्रीफाइड फ्लोर टाइल्स लगाने व मरम्मत, रंगाई-पुताई के काम पर 19.57 लाख रुपये, फल व सब्जी मंडी में पहले से बनीं सी श्रेणी की दुकानों के सामने बरामदे शेड की क्षतिग्रस्त एसी सीटों के स्थान पर 6.82 लाख रुपये मैटेलिक सीट डलेगी और मरम्मत का काम कराया जाएगा। उझानी मंडी के लिए 477 लाख 84 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। आयुक्त एवं निदेशक की ओर से मंडी परिषद के उपनिदेशक को निर्देशित किया गया है। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जल्द ही बिल्सी और उझानी की मंडी में काम शुरू हो जाएगा।

सूचना

मैंने अपने पुत्र अरविन्द कुमार उसकी पत्नी स्वाती राठौर (पुत्र वधु) के उनके गलत चाल चलन की वजह से संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। **रामऔतार पुत्र मोहनलाल चन्दपुर ख्यालीराम नवाबगंज बरेली**

सूचना

मेरी पत्नी का मेरे सर्विस रिकार्ड में बुक क्रमांक नं. 54/MT/Dec2016 है। पत्नी का नाम कल्पना व जन्मतिथि 02.10.1984 अंकित है जोकि गलत है सही नाम व जन्मतिथि कल्पना देवी व जन्मतिथि 01.07.1989 है जो सही है जोकि पत्नी के शैक्षिक अभिलेखों में भी दर्ज है। **राजेश कुमार पुत्र श्री भूपराम निवासी म.नं 225 चिनौर शाहजहाँपुर**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र पवन कुमार व पुत्रवधु अवदेश कुमारी को गलत आचरण, गलत संगत एवं गलत कृत्यों के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **वेदराम पुत्र स्व. चिम्मन लाल निवासी ग्राम मकरन्दपुर ताराचंद्र पोस्ट कुडढ़ बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र कृपाजीत राय व उसकी पत्नी सुजाता को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कृष्णा राय पुत्र कालीपद राय निवासी ग्राम चन्दुईया थाना घुंघचिहाई जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अभिषेक को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **ओमप्रकाश पुत्र रामभरोसे निवासी ग्राम उदरहा थाना घुंघचिहाई जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सेहत से खिलवाड़ फास्ट फूड के नाम पर ठेलों पर बिक रहा धीमा जहर, चाव से खा रहे लोग

नोटिस जारी तक सीमित रही कार्रवाई, नहीं लिए सैंपल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर सहित जिले भर में सड़क किनारे लगे ठेलों और दुकानों पर फास्ट फूड की बिक्री खुलेआम हो रही है। जिसमें बिक्री करने वाले अधोमानक खाद्य पदार्थ से चाऊमीन, मैगी, पिज्जा- बर्गर तैयार कर रहे हैं। ठेलों पर बिक रहे खाद्य पदार्थ का सैंपल लेकर कार्रवाई किए जाने के आदेश शासन प्रशासन स्तर हैं, लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग कार्रवाई करने के स्थान पर नोटिस जारी कर रहा है। जबकि चिकित्सक तक फास्ट फूड बनाने में प्रयोग की जा रही सामग्री को हानिकारक बता चुके हैं। इसके सेवन से गंभीर बीमारियों से लोग ग्रसित भी हो रहे हैं। परंतु खाद्य सुरक्षा विभाग को लोगों की सेहत से कोई सरोकार नहीं हैं।

ठेले से फास्ट फूड खरीदकर खाते लोग। ● अमृत विचार

चिकित्सकों की मानें तो लगातार फास्ट फूड खाने से लोगों में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। फास्ट इन फूड में ट्रांस फैट, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट के साथ नमक और चीनी की मात्रा अधिक होती है। जो शरीर की मेटाबॉलिक प्रोसेस को बिगाड़ देती है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे तो हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा समस्याएं हो सकती हैं। फिजिशियन डॉ आशीष सारस्वत बताते हैं कि पिज्जा और बर्गर में ज्यादा कैलोरी और सैचुरेटेड फैट होता है। मैगी और चाउमीन में सोडियम और रिफाइंड आटा ज्यादा मात्रा में होता है। इसका सेवन करने के बाद यह पाचन तंत्र पर दबाव डालते हैं।

जिससे शरीर में सूजन बढ़ने लगती है। नियमित खाने से यह सभी लगभग समान रूप से नुकसानदायक हो सकते हैं। फास्ट फूड के अत्याधिक सेवन करने से ही अमरोहा में एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की मौत का संज्ञान लेते हुए शासन प्रशासन स्तर से खाद्य सुरक्षा विभाग को ठेलों पर बिक रहे फास्ट फूड का सैंपल लिए जाने के निर्देश हैं। लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई सैंपल लेने के स्थान पर नोटिस जारी करने तक ही सीमित हैं।

हर गली चौराहे पर हो रही फास्ट फूड की बिक्री

फास्ट फूड की बिक्री करने वाले ठेलों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। कोई खाद्य सुरक्षा विभाग से लाइसेंस लेकर फास्ट फूड की बिक्री कर रहा तो कोई बिना लाइसेंस के लोगों को धीमा जहर परोस रहे हैं। शाम होते ही लोगों की भीड़ ठेलों पर उमड़ने लगती है। यह लोगों को क्या खिला रहे हैं। किस प्रकार की सामग्री का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे खाद्य सुरक्षा विभाग को कोई सरोकार नहीं हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की इसी लापरवाही के चलते फास्ट फूड की बिक्री करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

> फास्ट फूड की बिक्री करने वालों को चेतावनी जारी की गई है। सैंपल लिए जाने के लिए अभियान शुरू नहीं किया जा रहा है। जल्द ही अभियान भी चलाया जाएगा।
> - **आरपी सिंह**, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी

रामपुर रोडवेज डिपो की इटावा-मैनपुरी बस सेवा शुरू

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के रामपुर डिपो द्वारा बिल्सी होते हुए इटावा-मैनपुरी के लिए शुरू की गई रोडवेज बस सेवा से क्षेत्र के व्यापारियों एवं आमजन में खुशी की लहर है। लंबे समय से इस रूट पर सीधी बस सेवा की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होने पर यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

एआरएम राजेश पाठक ने बताया कि यह रोडवेज बस प्रतिदिन सुबह 10 बजे रामपुर से रवाना होगी। इसके बाद 11 बजे मुरादाबाद,12:20 बजे चंदौसी, 1 बजे बिसौली, 1:40 बजे बिल्सी, 2:50 बजे कासगंज, 3:40 बजे एटा, 5 बजे मैनपुरी, 6 बजे सैफई होते हुए शाम 6:30 बजे इटावा पहुंचेगी। इटावा पहुंचने के बाद यह बस फर्रुखाबाद व बरेली होते हुए रामपुर वापस जाएगी। वहीं अगली सुबह यही बस पुनः इसी रूट से इटावा के लिए प्रस्थान करेगी। व्यापारियों का कहना है कि इस बस सेवा से बिल्सी सहित आसपास के क्षेत्रों का इटावा, मैनपुरी, एटा और कासगंज से सीधा संपर्क स्थापित हुआ है, जिससे व्यापार, शिक्षा एवं इलाज के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी। विशेषकर गल्ला व्यापारियों को इससे काफी लाभ होने की उम्मीद है। नगर के गल्ला व्यापारी लोकेश बाबू वाष्णेय ने मांग उठाई कि उक्त बस की वापसी भी इटावा से बिल्सी, चंदौसी, मुरादाबाद होते हुए सीधे रामपुर की जाए, जिससे यात्रियों को और अधिक सुविधा मिल सके। साथ ही उन्होंने रामपुर से आगरा के लिए भी एक नई रोडवेज बस सेवा शुरू कराने की मांग की है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बकरी को उठाकर ले गए बाइक सवार

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं-बिजनौर हाईवे पर थाना उघैती क्षेत्र में गांव चाचीपुर के पास बाइक सवार एक महिला की बकरी उठाकर ले गए। चाचीपुर निवासी रेशमा ने बताया कि वह अपनी दो बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान इस्लामनगर की ओर से बाइक सवार दो युवक आए और एक बकरी को उठाकर उघैती की ओर भाग गए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की है लेकिन चोरों का पता नहीं चल सका है।

स्टंट करने वाले युवक पर कार्रवाई

बदायूं, अमृत विचार : ट्रैक्टर से स्टंट करने वाले अलापुर क्षेत्र के गांव उनौला निवासी कल्याण सिंह पर पुलिस शांतिभंग और एमवी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की है। कल्याण सिंह का एक मैदान में ट्रैक्टर से स्टंट करते वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ था। जिसमें वह ट्रैक्टर को तेजी से लाकर आगे से उठाता नजर आ रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर गिर भी गया था।

खुद को आग लगाने वाले युवक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : शराब के नशे में खुद को आग लगाने वाले युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला थाना कादरचौक क्षेत्र के गांव बमनौसी का है। विनोद (23) पुत्र नेम सिंह शराब पीने के आदी थे। 14 नवंबर को वह शराब नशे में घर आए थे। परिजनों ने उन्हें शराब पीने को लेकर टोका था। जिससे नाराज होकर विनोद ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया और आग लगा ली थी। वह गंभीर रूप से झुलस गए थे। परिजनों ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह विनोद ने दम तोड़ दिया।

लेखा अधिकारी को शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

बदायूं, अमृत विचार : शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के पदाधिकारी मंगलवार को वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक शिक्षा से मिले। उन्हें ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का निदान करने के लिए मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों के अवशेष बोनस और डीए के बिलों का शीघ्र भुगतान किया जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रेमानंद शर्मा, राजन यादव, भुवनेश गोविल, फरहत हुसैन, मोहम्मद विकारुद्दीन सहित कई शिक्षक शामिल रहे।

धूम- धड़ाके के साथ मनाया जाएगा नए साल का जश्न

बजेंगे डीजे, रंगारंग प्रस्तुतियों के जरिए पुराने साल को देंगे विदाई

- शहर से लेकर देहात तक लोगों में नववर्ष को लेकर दिख रहा उत्साह

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नए साल के जश्न की तैयारी शुरू हो गई है। युवाओं में इसे लेकर अलग ही उत्साह है। कोई पार्टी के आयोजन की तैयारी कर रहा है तो कई अपने दोस्तों व संबंधियों के लिए उपहारों की खरीदारी कर रहा है। शहर से लेकर देहात तक के लोगों में नववर्ष के लिए खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और युवा संगठनों की ओर से सामूहिक रूप से गीत-संगीत के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कई स्थानों पर लोग डीजे, लाइव म्यूजिक और रंगारंग प्रस्तुतियों के जरिए लोग पुराने साल को विदाई देंगे और नए साल का स्वागत करेंगे। 31 दिसंबर की शाम से ही नए साल की बधाई का सिलसिला शुरू हो जाएगा। युवाओं द्वारा हर साल नववर्ष की पूर्व संध्या पर ही पार्टी की जाती हैं। इसमें युवा जमकर धमाल मचाते हैं। रात के 12 बजते ही आतिशबाजी के साथ जश्न का माहौल बन जाएगा। घरों में भी बच्चे और युवा आतिशबाजी के धूम-धड़ाके के बीच एक-दूसरे को बधाई देकर नए साल का जश्न मनाएंगे। नए साल की तैयारी के लिए बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग गिफ्ट आइटम, सजावटी सामान, केक आदि की दुकानों पर बुकिंग कर रहे हैं। होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज होम में भी विशेष आयोजनों के लिए बुकिंग की जा रही है। वहीं नये साल पर लोगों के द्वारा मनाए जाने वाले जश्न को लेकर पुलिस और प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए तैयारी की जा रही है।

जिससे लोग शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में नए साल का जश्न मना सकें। अब ग्रीटिंग कार्ड गुजरे जमाने की बात हो गई है। दुकानदारों का कहना है कि अब बहुत कम ही लोग ग्रीटिंग कार्ड का प्रयोग बधाई देने के लिए करते हैं, इसके चलते उनकी मांग बेहद कम है।

संतोख सिंह तिराहे पर सजी फूलों की दुकान। ● अमृत विचार

देर रात तक खुली रहेंगी शराब की दुकानें

नववर्ष को लेकर देर तक शराब की दुकानें खुली रहेंगी। इसका फरमान आबकारी निदेशक द्वारा पहले ही जारी कर दिया है। नियमानुसार रात 10 बजे तक दुकानें खुलने का समय निर्धारित है। परंतु नववर्ष के चलते अनुज्ञापी अब 11 बजे तक दुकानों को खुला रखेंगे। 31 दिसंबर की रात 12 रात बजते ही पटाखा छोड़ने को लेकर उसकी खरीदारी बढ़ गई है। मुर्गा के व्यापारी भी अपने कारोबार को बढ़ाने की तैयारी में जुटे हैं। इस दिन मांस, मछली, मुर्गा के अलावा शराब का सेवन भी बड़े पैमाने पर होता है। वहीं दूसरी ओर होटलों में बड़ी तैयारी चल रही है।

धड़ल्ले से हो रहा प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग

बिल्सी, अमृत विचार : स्थानीय नगर पालिका परिषद प्रशासन की उदासीनता के चलते नगर में लंबे समय से प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं थर्माकोल से बनी वस्तुओं का खुलेआम प्रयोग किया जा रहा है। दुकानों, ठेलों और बाजारों में इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

नगर वासियों का कहना है कि शासन स्तर पर पॉलिथीन और थर्माकोल के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है। नालियों में पॉलिथीन जमा होने से जल निकासी बाधित हो रही है, वहीं थर्माकोल के कचरे से गंदगी और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। इससे आवारा पशुओं के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी खतरा बना हुआ है। इस संबंध में नगर पालिका परिषद के सफाई एवं स्वास्थ्य निरीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि प्रतिबंधित पॉलिथीन एवं थर्माकोल के उपयोग को लेकर शीघ्र ही विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों एवं व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जुर्माने के साथ सामग्री जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी।

अधिवेशन का समापन, नई कार्यकारिणी गठित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का तीन दिवसीय 66वें प्रांतीय अधिवेशन का मंगलवार को हर्षोल्लास और वंदे मातरम के साथ समापन हो गया। अधिवेशन के अंतिम सत्र में संगठन की परंपरा के अनुसार आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए नवीन प्रांत कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए सैकड़ों छात्र प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अधिवेशन के निर्वाचन अधिकारी प्रांत अध्यक्ष सौरभ सेंगर ने सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। कार्यकर्ताओं को प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत सह-मंत्री और विभिन्न आयामों के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया।

राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री एस बालकृष्ण ने कहा कि विद्यार्थी परिषद सिर्फ एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की पाठशाला है। अधिवेशन के दौरान शिक्षा क्षेत्र में सुधार, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित किए गए। संगठन ने आने वाले समय में परिसर की समस्याओं के समाधान और छात्रों के कौशल विकास के लिए बड़े आंदोलन और रचनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। निवर्तमान पदाधिकारियों ने नई टीम को बधाई देते हुए संगठन के ध्येय वाक्य ज्ञान, शील, एकता को आत्मसात करने का आह्वान किया। नवीन कार्यकारिणी ने संकल्प लिया कि वह छात्र हितों की रक्षा और समाज सेवा के कार्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा, क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री विपिन गुप्ता, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य भूपेंद्र सिंह, निवर्तमान प्रांत संगठन मंत्री अंशुल श्रीवास्तव, प्रांत संगठन मंत्री अनुज ठाकुर, निवर्तमान प्रांत मंत्री अंकित पटेल, विभाग प्रमुख सत्यम मिश्रा, जिला प्रमुख विजयपाल सोलंकी, प्रांत सह मंत्री पायल गिहार, विभाग संगठन मंत्री आकाश पाल, विभाग संयोजक हरिमोहन सिंह पटेल, विभाग सह संयोजक मोहित शर्मा, जिला संयोजक धर्मेंद्र बाहुबली, नमन गुप्ता, जिला सह संयोजक आशीष देव मिश्रा, अक्षित शाक्य, जिला विस्तारक अरुण सूर्यवंशी, संजीव रघुवंशी, अक्षय, नितिन, अजय समेत 16 जिलों से आए युवा मौजूद रहे।

अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते प्रांत अध्यक्ष सौरभ सेंगर।

- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का चल रहा था तीन दिवसीय 66वां प्रांतीय अधिवेशन

आशीष बने विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सह मीडिया संयोजक

आशीष देव मिश्रा।

बदायूं, अमृत विचार : अधिवेशन के अंतिम दिन नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन के प्रति निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए सहसवान के सह संयोजक आशीष देव मिश्रा को प्रांत सह मीडिया संयोजक जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लंबे समय से विद्यार्थी परिषद के माध्यम से छात्र हितों और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता और मीडिया प्रबंधन की समझ को देखते हुए संगठन ने उन्हें प्रदेश स्तर का बड़ा दायित्व दिया है। आशीष ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। डिजिटल युग में मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थियों की समस्याओं को सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना प्राथमिकता है। जिले के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

मनरेगा और विकास कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : मंगलवार को विकास खंड कार्यालय इस्लामनगर में खंड विकास अधिकारी मुनव्वर खान की अध्यक्षता में मनरेगा एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्राम पंचायत सचिवों एवं रोजगार सेवकों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में बीडीओ मुनव्वर खान ने मनरेगा योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्य शासन की गाइडलाइन के अनुरूप कराए जाएं। स्पष्ट कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में कराए जा रहे अन्य विकास कार्यों जैसे सड़क, नाली, स्वच्छता, पेयजल एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों के रखरखाव की प्रगति की भी समीक्षा की। सचिवों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण करें और योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। रोजगार सेवकों को मनरेगा में मजदूरों की उपस्थिति, मस्टर रोल, भुगतान प्रक्रिया एवं ऑनलाइन रिपोर्टिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में सभी ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजली बिल राहत योजना का आज अंतिम दिन

बदायूं, अमृत विचार : विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सुमित कुमार साहू ने कहा है कि बिजली विल राहत योजना से सौ प्रतिशत छूट का लाभ लेने को 31 दिसम्बर अंतिम दिन है। इसलिए उपभोक्ता अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ लेने को अपने बिजली बिल जमा करें। सुमित कुमार ने बताया कि 31 दिसंबर के बाद एक जनवरी से बिजली बिल राहत योजना का दूसरा चरण शुरू हो जाएगा जिसमें मल धन पर बीस प्रतिशत की छूट मिलेगी जबकि 31 दिसम्बर तक 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। कहा कि इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी गयी है।

बाजरा खरीद का सात हजार एमटी बढ़ा लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : खरीफ में बाजरा की बंपर पैदावार हुई। करीब 70 हजार हेक्टेयर में पैदावार हुई थी, लेकिन किसान को अपनी फसल का वाजिब मूल्य नहीं पा रहा है। अभी करीब 50 किसानों को बाजरा की खरीद के लिए बाजार नहीं मिल सका। सरकारी केंद्रों पर भी खरीद बंद हो गई। किसानों की इस समस्या को देखते हुए शासन स्तर से सात हजार एमटी बाजरा खरीद का लक्ष्य बढ़ा दिया गया है। इसके बाद से जिले के सभी 16 केंद्रों पर बाजरा की खरीद की जा रही है। इन केंद्रों पर 31 दिसंबर तक बाजरा खरीदा जाएगा। इसमें अब मात्र एक दिन का समय शेष बचा है। किसान क्रय केंद्रों पर बाजरा से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली लिए हुए लाइन में लगे हुए हैं।

मंडी समिति स्थित क्रय केंद्र पर बाजरा की तौल करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

शासन स्तर से बाजरा की खरीद के लिए जिले को 156700 एमटी खरीद करने का लक्ष्य दिया गया था। जिसे खाद्य विपणन विभाग ने निर्धारित समय 20 दिसंबर को पूरा कर लिया था। खरीद बंद होने के बाद किसानों के द्वारा प्रशासन से बाजरा की खरीद करने की मांग करते हुए शिकायती पत्र सौंपे गए। किसान क्रय केंद्रों पर किसान डेरा जमा हुए थे। प्रशासन से लगातार लक्ष्य बढ़ाए जाने की मांग की जा रही थी। इसके बाद डीएम ने बाजरा की खरीद के लिए लक्ष्य बढ़ाने के लिए शासन में पत्र भेजा था। इसके बाद शासन स्तर से सात हजार एमटी बाजरा की खरीद करने के लिए लक्ष्य बढ़ा दिया है। इसकी खरीद स्थापित किए गए सभी 16 केंद्रों पर की जा रही है। खरीद करने के लिए 31 दिसंबर का समय दिया गया है। किसान केंद्रों पर बाजरा लिए लाइन में लगे हुए हैं।

समर्थन मूल्य से कम है बाजार का भाव

शासन स्तर से बाजरा की खरीद के लिए 2775 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया है, जबकि बाजार में बाजरा का मूल्य क्रय केंद्र से 900 से 1000 हजार रुपये तक कम है। बाजार में भाव कम होने की वजह से किसानों को अपनी फसल का वाजिब मूल्य तक नहीं मिल पा रहा है। इसी के चलते किसान सरकारी क्रय केंद्रों पर बाजरा की बिक्री करने के लिए लाइन में खड़े हुए हैं।

बाजरा खरीद का लक्ष्य सात हजार एमटी बढ़ाया गया है। लक्ष्य बढ़ने के बाद से खरीद की जा रही है। 31 दिसंबर तक खरीद होगी। – **अतुल कुमार वशिष्ठ,** डिप्टी आरएमओ

समूह व बैंक सखी को दी एक दिवसीय ट्रेनिंग

विकासखंड इस्लामनगर कार्यालय में प्रशिक्षण में शामिल समूह सखी व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत मंगलवार को विकासखंड इस्लामनगर कार्यालय में लोक एस एप्लीकेशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में समूह सखी, बैंक सखी एवं संकुल लेखाकारों को कटऑफ प्रक्रिया व रेगुलर मीटिंग भरने की विस्तृत जानकारी दी गई।

ब्लॉक मिशन प्रबंधक धर्मेन्द्र पाल ने लोक ओएस एप के तकनीकी पहलुओं, डाटा एंट्री, समयबद्ध रिपोर्टिंग एवं ऑनलाइन रिकॉर्ड संधारण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्रणाली से कार्यों में पारदर्शिता आएगी और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) शशि शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर अलाउद्दीन एवं रवि चौहान मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को एप्लीकेशन से जुड़ी तकनीकी जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने लोक ओएस एप का सही उपयोग कर अपने कार्यों को और बेहतर ढंग से करने का संकल्प लिया।

किसानों ने लगाया जमीन पर कब्जा करने का आरोप

उसहैत, अमृत विचार : क्षेत्र के किसानों ने दबंगों पर करीब 500 बीघा से अधिक भूमि पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाया है।

गांव रैपुरा निवासी हुकुम सिंह ने उनका गांव बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। गांव में उनकी 350 बीघा जमीन है। आरोप है कि जमीन पर पडोस के गांव कदम नगला के निवासी दबंगों ने कब्जा कर लिया है। बताया कि इस भूमि पर पूर्व भी इन लोगों ने कब्जा कर लिया था। इसे एसडीएम के आदेश पर कब्जा मुक्त कराया गया था। अब फिर से भूमि पर कब्जा कर लिया है। वहीं गांव निवासी किसान हुकुम सिंह ने उसकी तीस बीघा भूमि पर कब्जा कराने का आरोप लगाया है। दर्जन भर से अधिक किसानों ने भी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते शिकायत की है।

बिजली विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

- पांच दिन पहले ट्रक की टक्कर से टूटे थे खंभे, गांव में अंधेरा

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : बिसौली-कासगंज बाईपास मार्ग पर स्थित शेखपुर चौराहे के पास पांच दिन पहले एक अनियंत्रित ट्रक ने बिजली के तीन खंभों में टक्कर मार दी थी। इस वजह से खंभे टूट गए थे। हादसे के बाद से आसपास के मोहल्लों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है।

बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विभागीय उदासीनता से नाराज होकर मंगलवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जल्द नए खंभे लगाकर विद्युत आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अंधेरे के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत हो रही हैं। वहीं मोबाइल चार्जिंग और पेयजल की भी समस्या पैदा हो गई है। प्रदर्शन करने वालों में सुरेश चंद्र, रूम सिंह, विनोद, मुकेश, राहुल, इकरार, अंगूरी देवी, मिथलेश देवी, महेश, राजू सागर, तेज सिंह, अमन, रामसनेही, पातीराम, खुशी राम, मटरू लाल, सलोनी, पप्पू, अंकित, अवि, आकाश, राजीव आदि लोग रहे।

बिजली के खंभे टूटने की वजह से बिजली न आने पर प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

डीएम ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार : जिलाधिकारी अवनीश राय द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदी बैरकों, पाकशाला, चिकित्सालय का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक व प्रतिबंधित सामग्री का मिलना प्रकाश में नहीं आया है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक से सीसीटीवी कैमरों के संचालन के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कारागार से बाहर निकलते डीएम।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में 1 से 3 जनवरी तक होंगे एथलेटिक्स के लिए ट्रायल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अयोध्या में प्रदेश स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं होंगी। यह प्रतियोगिताएं 6 से 16 जनवरी तक आयोजित होंगी। इन प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए जनपद स्तरीय टीम तैयार होगी। खिलाड़ियों का चयन ट्रायल के माध्यम से लिया जाएगा। ट्रायल 1 से 3 जनवरी के बीच स्पोर्ट्स स्टेडियम में होंगे। इसके बाद खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद जनपद स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक बालिका एवं सीनियर पुरुष व महिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल एक जनवरी को स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जायेगा। इवेंट्स सब जूनियर बालक में 100, 200, 400, 800 मीटर दौड़ होगी। 100 मीटर हर्डिल्स कराई जाएगी। इसके अलावा हाई जम्प, लांग जम्प, शॉट पुट डिस्कस, जैतेलिन थो का भी ट्रायल लिया जाएगा। बाकिंग 5000 मीटर का होगा। इवेंट्स सब जूनियर बालिका में 100, 200, 400, 800 मीटर दौड़, 100 मीटर हर्डिल्स, हाई जम्प, लांग जम्प, शॉटपुट, डिस्कस, जैवलिन थ्रो कराई जाएगी। साथ ही वाकिंग 3000 मीटर होगी। इवेंट्स सीनियर पुरुष में 100, 200, 400, 800, 1500, 3000 मीटर दौड़, 110 मीटर हडिल्स, 400 मीटर हडिल्स, 2000 मीटरस्टीपल चेस हाई जम्प, लांग जम्प, ट्रिपल जम्प शॉट पुट डिस्कस, जैवेलिन थ्रो, वाकिंग 10000 मीटर का ट्रायल लिया जाएगा। इवेंट्स सीनियर महिला 100, 200, 400, 800, 1500, 3000 मीटर दौड़, 110 मीटर हडिल्स, 400 मीटर हडिल्स होगी।

सोनम हत्याकांड की पुलिस ने शुरू की जांच

बदायूं, अमृत विचार : पुलिस ने सोनम हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है।

वजीरगंज क्षेत्र के गांव लहरा लाडपुर निवासी इकरार की 15 साल की बेटी सोनम उर्फ सोनी 19 दिसंबर की रात लगभग 12 बजे से लापता हो गई थी। सोमवार सुबह गांव के पास उसका शव पड़ा मिला था। पुलिस ने परिजनों से बात की थी। परिजनों के अनुसार सोनम रात में परिवार के साथ ही सोई थी लेकिन रात में लापता हो गई थी। ऐसे में अंदेशा लगाया जा रहा है कि हो सकता है कि सोनम किसी के बुलाने पर गई हो। अगर कोई जबरन उठाकर ले जाता तो उसके विरोध करने पर आसपास से रहे परिजन जाग जाते। वहीं हत्याकांड में किसी अपने पर शक जताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस जल्द ही हत्याकांड का खुलासा कर देगी।

मौसम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का हुआ सुधार, सुबह के समय रही हल्की धुंध के बाद मौसम हुआ साफ

शीतलहर : कई दिनों बाद खिली धूप से लोगों को मिली राहत

- धूप के बीच चल रही शीतलहर लोगों को करती रही परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कई दिनों बाद मंगलवार का दिन राहत भरा रहा। सुबह के समय हल्की धुंध रही उसके बाद मौसम साफ हो गया। दिन में खिली गुनगुनी धूप का लोगों ने लुफ्त उठाया। पार्कों, खुले स्थानों व भवनों की छतों पर बैठकर धूप सेकी, लेकिन मध्यम गति से चल रही शीतलहर परेशान करती रही।

शाम को धूप के गायब होते ही फिर कड़ाके की सर्दी का एहसास होने लगा। शाम में कोहरा छा जाने के बाद लोगों की कंपकंपी बंधने लगी। अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस का सुधार हुआ। अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले कई दिनों से घना कोहरा छाया था। कोहरे के बीच वाहन हाईवे पर रेंगते नजर आ रहे थे। सुबह में कोहरा अधिक घना होने से धुंध में 20-25 मीटर फासले का साफ दिखाई भी नहीं दे रहा था। इससे ठिठुरन भी बढ़ गई थी। धूप नहीं निकलने से पूरे दिन गलन महसूस होती रही थी। सोमवार से मौसम के रुख में बदलाव दिखाई दिया। सोमवार को दिन में कुछ देर के लिए हल्की धूप खिली थी। मंगलवार को भी सुबह हल्की धुंध छाने के बाद मौसम साफ हो गया। 11 बजे के बाद धूप खिल गई। लोगों ने घरों की छतों व खुले स्थानों पर बैठकर धूप का आनंद लिया। बाद में शाम को सूरज ढलने के बाद फिर से सर्दी का कहर शुरू हो गया। रात में कोहरा छा जाने के लोगों को कंपकंपी का अहसास होने लगा था। इससे आमजन ठिठुरने महसूस करने लगा। रात में कोहरे की धुंध छाने से वाहनों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। हाईवे व अन्य मुख्य मार्गों पर कोहरा छाने से वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गए। वाहन चालक कोहरे की धुंध में दिखाई नहीं देने के कारण वाहन धीमी गति से चलाने को मजबूर हो गए। यह स्थिति देर रात तक बनी रही।

धूप निकलने पर मोहल्ले में क्रिकेट खेलते बच्चे। ● अमृत विचार

खांसी-जुकाम और बुखार के बढ़े मरीज

कोहरे व शीतलहर के चलते खांसी जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिला अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सकों के सामने पहुंचने वाले यही शिकायत होना बताते हैं। बुजुर्ग सांस की दिक्कत होने पर भी पहुंच रहे हैं। फिजिशियन डा. आशीष सारस्वत ने बताया कि सर्दी के कारण खांसी जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

धूप निकलने पर खिले किसानों के चेहरे

मौसम की प्रतिकूलता से फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित किसानों के चेहरे धूप निकलने से खिल गए हैं। मौसम के कुछ ठीक होने पर किसानों ने खेत की ओर रुख किया। फसलों की देखभाल शुरू की है। जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत का कहना है कि कड़ाके की ठंड के बाद धूप फसलों की बढ़त में मददगार साबित होगी।

प्लाट का कराया बैनामा, किसी और की मिली नींव

उझानी, अमृत विचार : नगर उझानी में भूमाफिया हावी हैं। एक मामला मोहल्ला नझियाई मोतीझील में सामने आया है। गांव खजुरारा निवासी जितेंद्र पाल ने बताया कि उन्होंने साल 2014 में यहां प्लाट खरीदा था। जिसका बैनामा अपने और अपनी पत्नी सुचिता के नाम कराया था। मंगलवार को वह प्लाट की नींव भरवाने के लिए पहुंचे। जहां किसी और की नींव भरी हुई थी। वहीं प्लाट के विक्रेता ने बताया कि उन्होंने बैनामा करा दिया था। अब प्लाट पर क्या हो रहा है उन्हें कोई मतलब नहीं है।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रिहासतुल्ला खां पुत्र स्व. अजमतुल्ला खां एक आवासीय भवन है जोकि खेत नं. 504, 508/1 ग्राम सुर्खा छावनी अन्दर चुन्गी तहसील व जिला बरेली रकबा 56.86 वर्ग मीटर का है तथा इसका मूल बैनामा जिसके विक्रेता मिढई लाल पुत्र खूबी राम के द्वारा अजमतउल्ला खां पुत्र श्री अब्दुल्ला खां के पक्ष में निष्पादित हुई है। बैनामा दिनांक 30.09.1988 जिल्द सं. 1874 के पेज नं. 398 से 399 में नं. 945 जो मूल बैनामा खो गया है जिसकी एफआईआर 24.12.25 को करा दी गई है।

सोनू सिंह यादव
एडवोकेट
सेवा ग्रह लिमिटेड
मो. 9524585756

हड़ताल में ग्रामीणों की बिगड़ी हालत

आसफपुर के गांव ढोरनपुर में सड़क न बनने पर ग्रामीण कर रहे भूख हड़ताल

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : विकास को तरस रहे विकास क्षेत्र आसफपुर के गांव ढोरनपुर को आस जागी है। सर्दी में भी भूख हड़ताल कर रहे ग्रामीणों की तबीयत खराब होने लगी है। उनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया गया। वहीं मंगलवार को पूर्व विधायक कुशाग्र सागर मौके पर जाकर ग्रामीणों से मिले। पूर्व विधायक ने ग्रामीणों से बात कर आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

जमीन पर बैठकर ग्रामीणों से समस्या को लेकर चर्चा करते पूर्व विधायक कुशाग्र सागर।

बीमार को इलाज के लिए ले जाते लोग।

- पूर्व विधायक कुशाग्र सागर ने जाना ग्रामीणों का हाल, दिया आश्वासन

आजादी के बाद भी गांव की मुख्य सड़क पक्की न बनने की वजह से ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया था। पहले चेतावनी दी और भूख हड़ताल शुरू कर दी। बुजुर्ग, महिलाओं समेत बच्चे भी पूरा दिन बैठ रहे हैं। कड़ाके की सर्दी और खुले आसमान के नीचे पिछले छह दिनों से ग्रामीण अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। प्रशासन की अनदेखी और जनप्रतिनिधियों के झूठे आश्वासन से ग्रामीण इस बार आर पार लड़ाई का मन बनाए बैठे हैं। एसडीएम और सीओ के समझाने के बाद भी वह नहीं माने हैं। सोमवार रात भूख हड़ताल पर बैठे अली जान और नेकसू की तबीयत अचानक खराब हो गई। ग्रामीण उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां इलाज कराने के बाद वह दोनों फिर से हड़ताल पर बैठ गए और आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया। पूर्व विधायक मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठ गए। ग्रामीणों से बात की। उन्होंने जल्द सड़क बनवाने का आश्वासन दिया। फिर भी ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुए। कहा कि अब किसी आश्वासन से काम नहीं चलेगा। सड़क बनने का काम शुरू नहीं हो जाता तब तक हड़ताल खत्म नहीं होगी। कहा कि कई साल से मांग करने के बाद भी आज तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है।

पूर्व विधायक ने भेजा प्रस्ताव, शासन से स्वीकृत नहीं

बिसौली विधानसभा से पूर्व विधायक कुशाग्र सागर ने ग्रामीणों को बताया कि समस्या को देखते हुए सबसे पहले उन्होंने साल 2024 में शासन को यह सड़क बनवाने का प्रस्ताव भेजा था, जो शासन से स्वीकृत नहीं हो पाया था। अब सड़क के निर्माण के लिए पैरवी करेंगे। जिससे ग्रामीणों को परेशानी न हो।

चिकित्सक पर अभद्रता का आरोप, ऑडियो वायरल

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के रवैये पर भी कड़ा रोष जताया है। आरोप है कि आसफपुर पर तैनात एक चिकित्सक ने बीमार ग्रामीण के साथ अभद्रता की। ग्रामीण के रोष व्यक्त करने पर चिकित्सक ने फोन पर बात की। जिसका ऑडियो वायरल हुआ है।

बिना अनुमति नहीं हो सकेंगे नववर्ष के कार्यक्रम

बदायूं, अमृत विचार : नववर्ष की पूर्व संध्या पर होने वाले कार्यक्रम बिना अनुमति के नहीं होंगे। कार्यक्रम का आयोजन कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति आवश्यक होगी। जिला मजिस्ट्रेट अवनीश कुमार राय ने एडीएम प्रशासन और मनोरंजन कर अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के होटल, बैंक्वेट हॉल एवं अन्य स्थानों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।

अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि कार्यक्रम के आयोजकों, होटल स्वामियों एवं बैंक्वेट हॉल संचालकों को निर्देश दिए हैं कि नववर्ष की पूर्व संध्या, क्रिसमस, मेले व अन्य रंगा-रंग कार्यक्रम के आयोजन से पहले जिला मजिस्ट्रेट से विधिवत अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं सहायक आयुक्त राज्यकर व प्रभारी पूर्व मनोरंजन आकांक्षा पाण्डेय ने बताया कि बिना जिला मजिस्ट्रेट से पूर्वानुमति प्राप्त किये, ऐसे कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पाएंगे। आदेशों की अवहेलना किए जाने पर छह माह के कारावास और अधिकतम 20,000 रुपये के अर्थदंड का प्रावधान है।

ग्रामीणों की मदद से पकड़ा जंगली सूअर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ककोड़ा गांव के जंगल में छोड़ा वन दरोगा पर किया था हमला

अमृत विचार : ग्राम सिरसौली में ग्रामीणों के लिए खतरा बना जंगली सूअर मंगलवार को ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने जाल बिठा कर पकड़ लिया। सूअर को बेहोश करने के बाद उसको ककोड़ा के जंगल में वन विभाग द्वारा छोड दिया गया। सूअर को पकडने के बाद कई गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है।

सिरसौली गांव में 25 दिसम्बर को जंगली सूअर ने ग्रामीण पर हमला कर दिया था जिसके बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गयी। वन दरोगा पर सूअर ने हमला कर घायल कर दिया। वन दरोगा को राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। उसके बाद ग्रामीणों को सूअर से और खतरा बढ़ गया। कई गांवों के लोगों ने खेतों पर जाना बंद कर दिया।

भारतीय किसान यूनियन के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना ने डीएम से भी मांग की थी कि सूअर को पकड़ कर बाहर भेजा जाए। साथ ही उन्होंने वन विभाग को चेतावनी दी थी कि

बेहोश पड़ा पकड़ा गया जंगली सूअर।

30 दिसम्बर को वह वन विभाग कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद वन विभाग की टीम मंगलवार सुबह ही गांव पहुंची। ग्रामीणों के साथ वन विभाग की टीम ने एक सरसों के खेत में सूअर को घेर लिया।

जाल बिछा कर उसको पकड़ लिया। पकड़ने के बाद उसे बेहोश किया गया। इसके बाद वन विभाग ने उसको अपने वाहन में लाद कर कादरचौक क्षेत्र के ककोड़ा गांव के जंगल में छोड़ दिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 9392/7निविदा(सी0डी0–2)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 17.12.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 02.01.2026 से दिनांक 16.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विषिष्टियॉं, बिल ऑफ क्वान्टिटी आदि एवं बिड की संषोधित/परिषिष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भॉंति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
		अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत			
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वित्तीय वर्ष 2025–26जनपद बदायूं में बदायूं–बिजनौर मार्ग (राज्य मार्ग संख्या–51) के बिल्सी नगर पर बाईपास का निर्माण कार्य।	3122.00	78.07	3200.07	48.10	2714.00	15 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग इन किया जा सकता है।

(वन्दना सोनकर)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0,बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP-243279 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पता:– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांक:– 2712/ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांक:– 24.12.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण:–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	सी0एस0 इन्टरनेशनल स्कूल जाग्रतिनगर में टाइल्स व पुताई कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	5.000	10000.00	766.00	03 माह
2	बरेली	मो0 खडौआ में मुख्य मार्ग के निकट टीन शैड उसके निकट एक स्नान घर एवं एक मूत्रालय का निर्माण कार्य (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	9.997	20000.00	766.00	03 माह
3	बरेली	विकास खण्ड–भोजीपुरा के ग्राम वोहित में होली चौराहे से रामरक्षपाल के मकान तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य (एम0एल0सी0–भोजीपुरा)	9.430	18900.00	766.00	03 माह
4	बरेली	बंजरिया जागीर में इम्तयाज डाइवर के घर से मेन रोड तक व बडे अंसारी के घर से कदीर अंसारी के घर तक सी0 सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	7.457	15000.00	766.00	03 माह
5	बरेली	ग्राम मनेहरा में ओमप्रकाश के मकान से नन्हे बाबू के मकान तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। ((वि0नि0–भोजीपुरा)	5.186	10400.00	766.00	03 माह
6	बरेली	ग्राम कलारा में जेबरहील के मकान से सकूर अहमद के मकान तक तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	4.693	9400.00	677.00	03 माह
7	बरेली	ग्राम रमियापुर में मेनरोड से कंचन यादव की चौपाल तक सी0 सी0 रोड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–भोजीपुरा)	9.969	20000.00	766.00	03 माह
8	बरेली	वार्ड नं0–60 शहदाना में गोपालराम मान्टेसरी स्कूल वाली गली में सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	9.133	18300.00	766.00	03 माह
9	बरेली	वार्ड नं0–12 फौजी के टाल से हेमन्त के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.634	15300.00	766.00	03 माह
10	बरेली	वार्ड नं0–12 में प्रजापति कालौनी में लक्ष्मी देवी के मकान से मनोज सिंह के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	9.879	19800.00	766.00	03 माह
11	बरेली	वार्ड नं0–40 आकाशपुरम में भारत सिंह के मकान से मनोज कुमार सागर के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	1.389	2800.00	559.00	03 माह
12	बरेली	वार्ड नं0–06 हेमन्त के मकान से रहमत के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.057	14200.00	766.00	03 माह
13	बरेली	वार्ड नं0–06 केबी मेडिकल से कन्हैया के मकान होते हुये तेज सिंह पप्पू वीरेन्द्र वाली गली में सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	7.666	15400.00	766.00	03 माह
14	बरेली	वार्ड नं0–06 रमेश के मकान से कन्हैया के मकान तक व कन्हैया के मकान से गोपाल के मकान तक सी0सी0 सडक निर्माण कार्य (वि0नि0–कैण्ट)	6.100	12200.00	766.00	03 माह
15	बरेली	वार्ड नं0–17 पीलीभीत रोड पर पंचशील कालौनी से पवन बिहार के बीच में 01 यात्री शैड का निर्माण कार्य। (वि0नि0–कैण्ट)	6.180	12400.00	766.00	03 माह
16	बरेली	स्पोट्स स्टेडियम बरेली के मल्टीपरपज हॉल में आन्तरिक विद्युतिकरण एवं फलड लाईट कार्य। (वि0नि0–नगर क्षेत्र)	3.940	7900.00	677.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि : दिनांकः– 02.02.2026 से 04.02.2026 तक (पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 05.02.2026 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः दिनांक 05.02.2026 अपरान्ह 12:30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट :– उपरोक्त समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

UP-243308 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड, बरेली।

रैन बसेरे और अलाव का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

सहसवान, अमृत विचार : नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने मंगलवार देर शाम रैन बसेरे और विभिन्न स्थानों पर अलावों का निरीक्षण किया। उन्होंने पालिका कर्मचारियों को निर्देशित किया के सभी जगह व्यवस्था पूरी रखें। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिशासी अधिकारी ने देर शाम नगर के रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर उन्होंने अलाव भी देखें। जहां लोग अलाव तापते मिले। उनसे बात भी की गई। राजेश कुमार ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि ठंड में गरीबों को किसी तरह की दिक्कतें न हों। नगर पालिका द्वारा संचालित अस्थाई रैन बसेरे का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरे में रजिस्टर देखा। वहां मौजूद व्यवस्थापक व कर्मचारियों से बातचीत की। इस दौरान अलाव एवं रैन बसेरा प्रभारी अब्दुल फरीद खान व जमशेद अली मौजूद रहे।

सट्टेबाजी की शिकायत पर मिल रहीं धमकियां

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कस्बा म्याऊं में सट्टे की पर्ची लिखने का वीडियो हुआ था वायरल
- शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को सट्टेबाज दे रहे धमकी

अमृत विचार : अलापुर थाना क्षेत्र के कस्बा म्याऊं में युवा सट्टेबाजों की गिरफ्त में हैं। शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय सचिव राहुल त्रिवेदी और विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने सट्टेबाजी की शिकायत की थी। अब उन्हें धमकाया जा रहा है कि अगर अब कहीं शिकायत की तो अंजाम बहुत बुरा होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पुलिस से शिकायत करके बताया था कि कस्बा में खुलेआम जुआ और सट्टा चल रहा है। दोपहर के बाद से इन अड्डों पर लोगों की भीड़ लगने लगती है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सांठगाठ की वजह से पुलिस इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यहां तक कहा था कि सट्टा और जुआ की सूचना देने वाले को वह 2100 रुपये का इनाम देंगे। अगर सट्टेबाजी बंद नहीं हुई तो मुख्यमंत्री आवास पर भूख हड़ताल करेंगे। विश्व हिंदू परिषद के

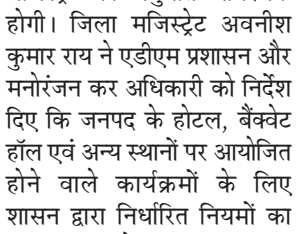

युवक के पास सट्टे की पर्चियां। (फाइल फोटो)

जिला उपाध्यक्ष ने भी मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजकर सट्टेबाजों से अपनी जान का खतरा बताते हुए जांच कराकर कार्रवाई की मांग की थी। बताया कि कस्बा में सट्टेबाज हावी हैं। सट्टे की पर्चियां लिखने के वीडियो अक्सर सामने आती रहती हैं। अधिकारियों तक मामला पहुंचने पर स्थान बदल दिया जाता है, लेकिन धंधा बंद नहीं होता। उन्होंने कस्बा से दातागंज मार्ग पर पुलिस चौकी से लगभग 50 मीटर दूर किराए पर कमरा लेकर सट्टा पर्ची लिखी जाने की बात कही थी। जिला उपाध्यक्ष के अनुसार शिकायत करने के बाद से सट्टेबाज उनसे रंजिश मानने लगे हैं। उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है। वह लोग कहते हैं कि चाहें कहीं भी शिकायत कर लो सट्टा बंद नहीं किया जाएगा। हर जगह पैसा पहुंचाया जा रहा है। शिकायत करने वाले को ही सबक सिखा देंगे। उन्होंने कहा कि अगर सट्टा और धमकाने का सिलसिला बंद नहीं हुआ तो वह मुख्यमंत्री के पास जाकर मामले से अवगत कराएंगे। वहीं सट्टेबाज खुलेआम बोलते हैं कि म्याऊं के अलावा आसपास के क्षेत्र में भी यह काम हो रहा है।

स्वच्छ भारत – एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर निगम, बरेली

पत्रांक : 409/रा.वि./प्र.रा./2026–27 दिनांक : 30.12.25

सूचना–नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निगम के ठेकों की सार्वजनिक नीलामी उसके आगे उल्लिखित तिथि पर पूर्वान्ह 11:00 बजे से नगर निगम बोर्ड हाल में की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति ठेकों की बोली में भाग लेने से पूर्व पैन कार्ड, आधार कार्ड की छायाप्रति व जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र एवं नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा जारी अदेयता प्रमाण–पत्र तथा जमानत धनराशि नकद/बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. के रूप में नगर निगम के पक्ष में देय हो जमा करके बोली में भाग ले सकते हैं। ठेके की अवधि स्वीकृति की दिनांक से 01 वर्ष की होगी, ठेका राशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. पृथक से देय होगी।

क्र.सं.	ठेके का नाम	जमानत धनराशि	नीलामी तिथि	नीलामी स्थल
1.	श्यामगंज सब्जी मण्डी	50,000.00	05.01.2026	नगर निगम बोर्ड हाल

यदि किसी कारणवश उक्त ठेकों की सार्वजनिक नीलामी निर्धारित तिथि को नहीं होती है तो ठेके की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 06.01.2026 को होगी।

(राजीव कुमार राठी)
प्रभारी राजस्व
नगर निगम, बरेली

एचटी लाइन से झुलसे सारस की ग्रामीणों ने बचाई जान

घायल सारस को ले जाते वनकर्मी।

कुंवरगांव, अमृत विचार : चकोलर और दुगरैय्या गांव के बीच मंगलवार सुबह राहगीरों की नजर एक घायल सारस पर पड़ी, तो आसपास के गांवों में लोग मौके पर पहुंच गए। चकोलर गांव निवासी जुगेंद्र और राजेश वर्मा ने घायल सारस को सड़क से उठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग को सुबह ही घटना की जानकारी दे दी गई थी, लेकिन घंटों तक कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। काफी देर बाद वन विभाग के वन दरोगा मथुरा प्रसाद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सारस को उपचार के लिए सलारपुर स्थित पशु चिकित्सालय ले गए। पशु चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार भुइयार ने बताया कि सारस को करंट लगा था। उसका इलाज किया गया बाद में वन विभाग को सौंप दिया गया। वन विभाग के सीओ विकास कुमार वरुण ने बताया सारस अब ठीक है।

बंदर ने दी घुड़की, छत से गिरकर महिला की मौत

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र के गांव दबतोरी निवासी लगभग 70 साल की नत्थो देवी सोमवार शाम लगभग सात बजे छत पर गई थीं। इसी दौरान छत पर बंदरों का झुंड आ गया। उन्होंने बंदरों को भगाने का प्रयास किया लेकिन बंदरों का झुंड नत्थो देवी की ऊपर दौड़ पड़ा। वह डर गईं और बंदरों से बचने को भागीं। इसी दौरान वह छत से नीचे जा गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। तेज आवाज सुनकर परिजन दौड़कर पहुंचे। महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजन शव घर ले गए। सूचना मिलने पर बिसौली पुलिस गांव पहुंच गई लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। मंगलवार शाम शव का अंतिम संस्कार किया गया।

बाइक पर कूदा बंदर सड़क पर गिरकर महिला घायल

उझानी, अमृत विचार : थाना कादरचौक के गांव अकलामई निवासी रामवती पत्नी देव सिंह अपने पति के साथ कछला से दावत खाकर बाइक से अपने गांव लौट रही थीं। कोतवाली उझानी क्षेत्र में करुआ पुल के पास पहुंचे। एक बंदर उनकी बाइक पर कूद गया। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। पति–पत्नी भी सड़क पर गिरे। हादसे में रामवती घायल हो गईं। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे एम्बुलेंस से घायल को उझानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से चिकित्सक ने महिला को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 1303 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 22.12.2025

मैनुअल निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदादाओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधान परिषद सदस्य (एम0एल0सी0) – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	शहर बदायूँ कृष्णा पार्क में शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
2.	बदायूँ	जिला सहकारी बैंक बदायूँ के पास शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
3.	बदायूँ	बदायूँ रेलवे स्टेशन के गेट पर शीतल पेयजल (सदर बदायूँ)	2.271	0.05	589.00	02 माह
4.	बदायूँ	शहर बदायूँ मो0 पटियाली सराय कूंचीनीम में मैनरोड से अंजू सक्सेना के मकान होते हुये राजकमल के मकान एवं अमित वर्मा के मकान तक सी0सी0 एवं नाली कार्य (सदर)।	2.988	0.06	589.00	03 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 01.01.2026 से 14.01.2026 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि/समय :– दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ/कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली/कार्यालय जिलाधिकारी, बदायूँ।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 15.01.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे ।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए विभागीय वैबसाईट http://upred.gov.in पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

UP-243299 दिनांक 29.12.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

पशुशाला में लगी आग, तीन मवेशी झुलसे

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के मझारा गांव में मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक पशुशाला में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर पशुशाला में बंधे तीन मवेशी झुलस गए। गांव मझारा निवासी टिंकू पुत्र यशवंत सिंह की पशुशाला में अचानक आग लग गई। आग लगते ही अफरातफरी मच गई। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पानी व अन्य साधनों से आग बुझाने में जुट गए। पशुशाला में बंधे पांच मवेशियों में से तीन मवेशी आग से झुलस गए। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। वहीं पशु चिकित्सक को भी सूचना दी गई। जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर झुलसे मवेशियों का उपचार किया। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

38 लाख से बनी सीसी रोड की एसडीएम ने परखी गुणवत्ता

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : नगर पंचायत में नगर अध्यक्ष ज्योति रानी पंडित दीनदयाल नगर विकास योजना के अंतर्गत सीसी रोड का निर्माण करा रही है। सीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता परखने को मंगलवार को एसडीएम सदर मोहित कुमार मौके पर पहुंचे। जांच में सबकुछ ठीक मिला।

कस्बे में सत्यम के मकान से मिक्की सिंह के टावर तक लगभग 344 मीटर सीसी रोड का निर्माण लगभग 38 लाख रुपए की लागत से कराया गया है ।जिसका मंगलवार को उपजिलाधिकारी सदर मोहित कुमार निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने सीसी रोड़ में गड्ढे खुदवा कर निर्माण की गुणवत्ता व मोटाई को चेक किया। जहां उन्हें सब कुछ ठीक ठाक मिला। उन्होंने अन्य सीसी रोड में भी ईओ और आरईएस जेई प्रदीप कुमार को गुणवत्ता ठीक रखने के निर्देश दिए हैं। नगर पंचायत में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता के प्रयास के बाद नगर की जनता को पंडित दीनदयाल नगर विकास योजना के अंतर्गत सड़कों का लाभ मिल रहा है ।इस मौके पर नगर पंचायत ईओ वेदप्रकाश, जेई प्रदीप कुमार नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सड़क की गुणवत्ता चेक करते एसडीएम सदर मोहित कुमार।

अमृत विचार

बुधवार, 31 दिसंबर 2025

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाजुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

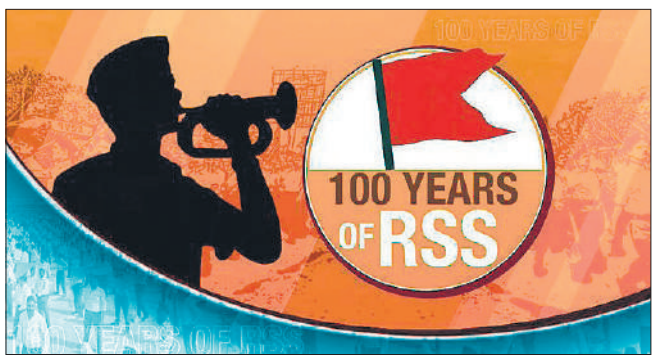

नुसरत जहां

एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

> जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री

लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

आमने

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

कृषि मंत्री, राजस्थान

सामने

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा

कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्सः कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

> आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

कलम रंगदार

ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

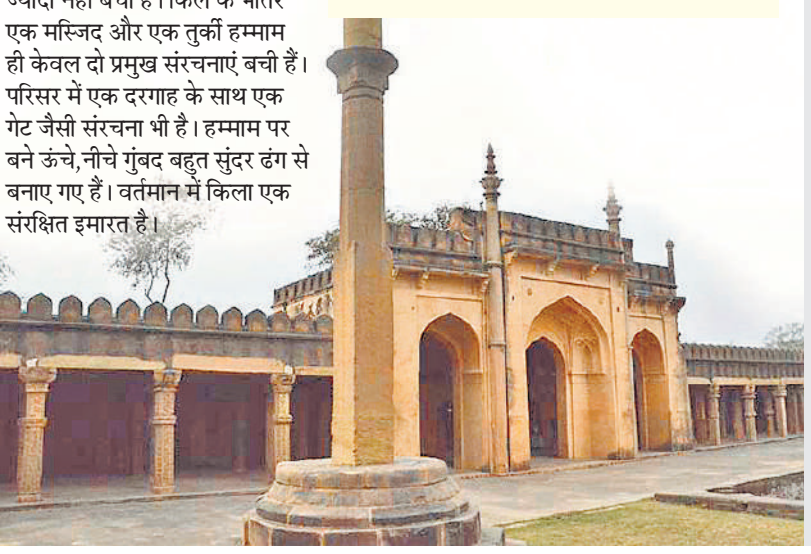

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

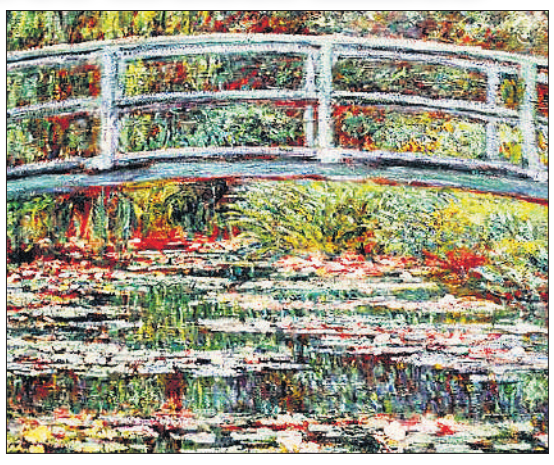

क्लाउड मोनेट के बारे में

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

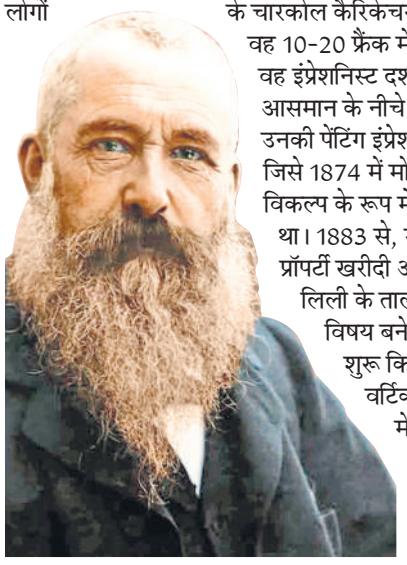

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

परंपराएं दुनिया की

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13किग्रा 1980, जय जवान 1990, संचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल, 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3500, मसूरी- 950, बासमती- 5200, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4500, राजमा- 8500-11500, दाल उड़द- 5400, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2600, उड़द साबुत- 4800, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 1100

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत को रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख**

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले

- **कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न**

आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें**

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

राष्ट्रीय

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

> हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। – याचिका

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की।

- **भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप**
- **चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा**

एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था। एंजेल की उपचार के दौरान 26 दिसंबर को मौत हो गई, जबकि माइकल का इलाज चल रहा है। त्रिपुरा में छात्र संगठनों ने एंजेल और उनके भाई पर हुए नस्लीय हमले के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा है, जबकि उत्तराखंड पुलिस ने हमले में नस्लीय मकसद होने से इन्कार किया है।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

- **केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप**

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

कांग्रेस का आयोग पर एसआईआर पर यूटर्न का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर एसआईआर को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा, पहले डुप्लीकेट मतदाता की पहचान और उन्हें चिह्नित करने के लिए 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है।

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला।

- **अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं**

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

- **कुलदीप सेंगर और बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने वाले महिला सुरक्षा पर उपदेश न दें**

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों

● बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

● रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

● **लो लेवल रडार** : ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

● 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

● नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दी नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ये अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है।

मीरा स्याल नव वर्ष की सम्मान सूची में शामिल

लंदन। प्रसिद्ध ब्रिटिश-भारतीय कलाकार मीरा स्याल मंगलवार को जारी उन ब्रिटिश-भारतीयों की सूची में शामिल हैं, जिन्हें महाराजा चार्ल्स तृतीय ने नव वर्ष पर सम्मानित किया है। स्याल को डेमहुड की उपाधि से नवाजा गया है। लंदन में रहने वाली हास्य कलाकार, लेखिका, अभिनेत्री और फिल्म निर्माता को साहित्य, नाटक और परोपकार सेवाओं के लिए डेम मीरा की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

● हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, हमले की स्थिति में कड़ा जवाब देंगे

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने मंगलवार को कहा कि किसी भी हमले की स्थिति में उनका देश कड़ा जवाब देगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के जवाब में उनका यह बयान आया है। पेजेशकियान ने एक्स पर पोस्ट किया कि किसी भी क्रूर आक्रमण पर इस्लामिक गणराज्य ईरान का जवाब कठोर और हतोत्साहित करने वाला होगा। ईरानी राष्ट्रपति ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन उनका यह वक्तव्य ट्रंप के बयान के बाद आया है। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश करता है, तो अमेरिका सैन्य हमले कर सकता है। ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि वह ईरान के खिलाफ एक और अमेरिकी हमले का आदेश दे सकते हैं। पेजेशकियान ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच तनाव पहले ही बढ़ चुका है। ईरान का कहना है कि वह यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

● रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेशिनक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया । हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं । उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेशिनक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

● यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों पर साधा निशाना

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे पर सोमवार रात ढाका पहुंचे जहां मंगलवार को अंतरिम सरकार के दो वरिष्ठ सलाहकारों ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) खलीलुर रहमान ने विदेश कार्यालय में रियाज के साथ बैठक की। अधिकारियों ने चर्चा के विषयों पर जानकारी नहीं दी।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

● इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

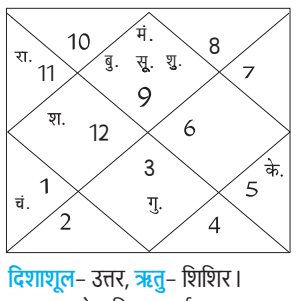

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन — आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क — आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह — आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या — आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु — आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर — आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ — आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन — आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

भले ही ऑस्ट्रेलिया टी-20 या वनडे चैंपियन न हो, लेकिन वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। फरवरी में जब हम भारत की मेजबानी करेंगे तो मैं और मेरी टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

एशले गार्डनर
ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

बरेली, बुधवार ,31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल के मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। बीसीबी ने एक्स पर कहा कि बीपीएल 2026 बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान सम्मान में एकजुट है। 30 दिसंबर 2025 को होने वाले मैच 31 दिसंबर 2025 को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है। अजहर का बोर्ड के साथ दो साल का अनुबंध था। उन्हें पिछले साल टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई है लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से एक ही परिवार के पास है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की वास्तविक वस्तु है जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने उपहार में दिया था।

भारतीय महिलाओं ने किया क्लीन स्वीप

शृंखला के पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में भी श्रीलंका 15 रनों से परास्त

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार मिली है।

भारत के 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, 8 चौके, 1 छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, 8 चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिए। हरमनप्रीत ने 43 गेंद में 9 चौकों और 1 छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को 7 विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में 4 चौकों और 1 छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की कविशा दिलहारी, कप्तान चामरी अटापट्टू और रश्मिका सेवांडी ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया, जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर 1 विकेट पर 48 रनों तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री भेजा। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर 1 रन के साथ 38 गेंद में अपना पहला टी-20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ, लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा को पगबाधा किया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा, लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं। श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रन की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ। इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा का विकेट दूसरे ओवर में गंवा दिया, जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा ने कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन को बोल्ड किया।

हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ऋचा घोष चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा को निमाशा के हाथों कैच कराकर भारत को पांचवां झटका दिया। हरमनप्रीत ने चामरी के ओवर में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

भारत

175/7 (20 ओवर)

शेफाली का दुलानी बो निमाशा	05
जी कमालिनी पगबाधा को कविशा	12
हरलीन देओल बो रश्मिका	13
हरमनप्रीत कौर बो दिलहारी	68
ऋचा घोष का कौशिनी बो चामरी	05
दीप्ति शर्मा का निमाशा बो चामरी	07
अमनजोत का दिलहारी बो रश्मिका	21
अरुंधति रेड्डी नाबाद	27
स्नेह राणा नाबाद	08

गेंदबाजी : मदारा 4-0-37-0, निमाशा 3-0-25-1, कविशा 2-0-11-2, इनोका 4-0-39-0, रश्मिका 4-0-42-2, चामरी 3-0-21-2

श्रीलंका

160/7 (20 ओवर)

हसिनी परेरा बो चरणी	65
अटापट्टू का दीप्ति बो अरुंधति	02
इमेशा का शेफाली बो अमनजोत	50
निलाक्षिका पगबाधा बो दीप्ति	03
कविशा दिलहारी बो वैष्णवी	05
समरविक्रम का हरलीन बो स्नेह	08
कौशिनी नुथ्यानग्ना रन आउट	01
रश्मिका सेवांडी नाबाद	14
माल्की मदारा नाबाद	05

गेंदबाजी : दीप्ति 4-0-28-1, अरुंधति 2-0-16-1, स्नेह 4-0-31-1, वैष्णवी 4-0-33-1, चरणी 4-0-31-1, अमनजोत 2-0-17-1

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52वें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज शतरंज : अर्जुन से हार के बाद कार्लसन ने आपा खोया

दोहा, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मजबूत एंडगेम और त्वरित गणना के कौशल का नमूना पेश करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन संयुक्त बढ़त ली। एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

एरिगैसी ने कार्लसन को नौवें दौर में तनावपूर्ण एंडगेम में हराया। एरिगैसी के पास नौ सेकंड जबकि कार्लसन के पास तीन सेकंड थे। नॉर्वे का खिलाड़ी जैसे ही रानी को चलने वाला था, मोहरा उनके हाथ से फिसलकर मेज से बाहर जा गिरा। संयोग से तब अलेक्जेंडर ग्रिशुक वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने रास्ते से हटने की कोशिश की। जब तक कार्लसन ने अपनी रानी उठाई और उसे बोर्ड पर रखा, तब तक उनका समय समाप्त हो चुका था। विश्व ब्लिट्ज 2024 के सह-चैंपियन कार्लसन और इयान नेपोम्नियाची के संभावित 13 में से नौ अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मंगलवार को छह और राउंड खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल होगा।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे बुरी तरह हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों से ठीक पीछे छह खिलाड़ी हैं जिनके समान 9 .5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5 .5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

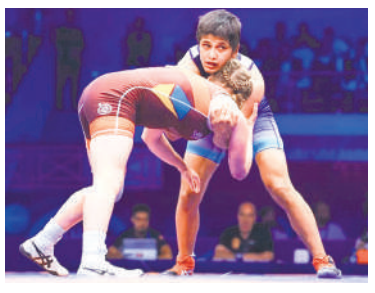

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

सलाह

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेल मंत्री को सौंपी

कार्यबल ने बताईं कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने,

कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है। एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।